प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-152 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 28 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

मथुरा में 1100 मृत बुजुर्गों के खातों में जा रही थी वृद्धावस्था पेंशन

समाज कल्याण निदेशालय के निर्देश पर कराए गए सत्यापन में सामने आई स्थिति

जिला समाज कल्याण विभाग ने सत्यापन के बाद मृतकों की पेंशन कराई बंद

यूनिक समय, मथुरा। जिंदा बुजुर्ग वृद्धावस्था पेंशन की आस में राजीव भवन के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उम्र का कागज पेंशन की आस पूरी नहीं होने दे रहा है। वही, जिले में ऐसे बुजुर्ग पकड़ में आए हैं, जिनके निधन के बाद भी वृद्धावस्था पेंशन खाते में जा रही थी। अब ऐसे बुजुर्गों की पेंशन बंद करके संबंधित बैंकों को पत्र लिखकर मृत्यु के बाद खाते में गई धनराशि को वापस मंगाया जा रहा है।

जिले में सरकार की ओर से बुजुर्गों को दी जा रही वृद्धावस्था पेंशन में अनियमितता सामने आई हैं। करीब 11 सौ वृद्ध मृत हो गए, लेकिन उनके खातों में लगातार पेंशन की धनराशि जा रही थी। यह मामला समाज कल्याण विभाग निदेशालय के निर्देश पर जिले में इस माह तक कराए गए सत्यापन के दौरान सामने आया है। अब विभाग की ओर से तत्काल इनकी पेंशन को निरस्त कर दिया गया है। अब सौ प्रतिशत खातों का सत्यापन हो चुका है, जिसकी जानकारी निदेशालय को भेजी गई है। उम्मीद लगाई जा रही है कि वृद्धजनों के खाते में अगले माह तीन माह की पेंशन धनराशि आ सकती है। प्रदेश सरकार गरीब और पात्र बुजुर्गों को आर्थिक मदद के तौर पर प्रति माह एक हजार रुपया वृद्धा पेंशन के तौर पर देती है।

पेंशन योजना में तीन माह बाद एक साथ 3000 रुपये सीधे बुजुर्गों के खाते में पहुंचते हैं। जिले में 68704 बुजुर्ग इस वृद्धावस्था पेंशन का लाभ ले रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थियों का सत्यापन कार्य पूरा करके रिपोर्ट मुख्यालय को भेज दी गई है। करीब 11 सौ पेंशन धारक मृत पाए गए, जिनकी पेंशन निरस्त कर दी गई है। खाते से धनराशि वापस मंगाने को संबंधित बैंकों को पत्र लिखे जाएंगे।

इन्हें मिल सकता है योजना का लाभ

वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को दिया जाता है। लाभार्थी को किसी अन्य सरकारी पेंशन का लाभ नहीं मिलना चाहिए। वृद्धावस्था पेंशन का आवेदन करने के लिए लाभार्थी की आयु कम से कम 60 वर्ष होनी चाहिए। पात्र ग्रामीण बुजुर्ग की वार्षिक आय 46080 रुपये और शहरी बुजुर्ग की वार्षिक आय 56400 तक होने पर ही पेंशन का लाभ मिल सकेगा।

मुड़िया परिक्रमा कल, आस्था संग सजेगी ब्रज की संस्कृति

श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना कुसुम सरोवर।

सुबह-शाम निकलेगी संतों की ऐतिहासिक परिक्रमा यात्रा

गोवर्धन में बुधवार को श्रद्धालुओं के स्वागत की पूरी तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को गोवर्धन में निकलने वाली ऐतिहासिक मुड़िया परिक्रमा के साथ ब्रज की धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का भव्य स्वरूप देखने को मिलेगा। सुबह और शाम दो चरणों में निकलने वाली इस परिक्रमा में देश के विभिन्न राज्यों से आए संत-महात्मा, वैष्णव संप्रदाय के अनुयायी और श्रद्धालु गिरिराज महाराज की 21 किलोमीटर की परिक्रमा करेंगे। पूरे गोवर्धन क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना हुआ है। मुड़िया परिक्रमा की परंपरा ब्रज की सबसे प्राचीन धार्मिक परंपराओं में गिनी जाती है। गुरु पूर्णिमा पर संत अपने गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण व्यक्त करने के लिए मुंडन कराकर गिरिराज महाराज की परिक्रमा करते हैं। इसी कारण इस परिक्रमा को मुड़िया परिक्रमा कहा जाता है।

परिक्रमा मार्ग पर राधे-राधे और गिरिराज महाराज की जय के जयघोष लगातार गूंजेंगे, जबकि भजन-कीर्तन और संकीर्तन मंडलियां पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाए रखेंगी।

मुड़िया परिक्रमा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रज की लोक संस्कृति, संत परंपरा और सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव भी है। हर वर्ष श्रद्धालु इस अवसर पर गोवर्धन पहुंचकर गिरिराज महाराज की परिक्रमा करते हैं और गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।

कुसुम सरोवर बना आकर्षण का केंद्र

मुड़िया मेले के दौरान कुसुम सरोवर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। ऐतिहासिक धरोहर की मनमोहक छटा और शांत वातावरण ने सभी का मन मोह लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर परिवार और मित्रों के साथ समय बिताते दिखाई दिए। खासकर युवा वर्ग और युवतियां कुसुम सरोवर की सुंदरता के बीच सेल्फी और फोटोग्राफी करते नजर आए।

व्यवस्था को लेकर रोडवेज चालक परिचालकों ने किया हंगामा

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान बाहर से आए रोडवेज बसों के चालक-परिचालकों ने भोजन, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर धौली प्याऊ रेलवे ग्राउंड में नाराजगी जताई।

सोमवार रात करीब 10 बजे कर्मचारियों ने व्यवस्थाओं में अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मेले के लिए विभिन्न डिपो से करीब 1100 रोडवेज बसें मथुरा भेजी गई हैं, जिनमें प्रत्येक बस पर दो-दो चालक और परिचालक तैनात हैं। बड़ी संख्या में कर्मचारियों के एक साथ पहुंचने से भोजन, पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाओं पर दबाव बढ़ गया।

हंगामे का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मेले के दौरान लगातार तीन दिनों से रोडवेज की ओर से चालक-परिचालकों और यात्रियों के लिए भंडारे की व्यवस्था की जा रही है। बात यह है कि वहां पर भेजने की कोई व्यवस्था नहीं है। शुरुआती स्तर पर कुछ व्यवस्थागत दिक्कतें सामने आई थीं, जिन्हें देर रात तक दूर कर दिया गया है।

गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते हुए आयुक्त,एडीजी और डीआइजी आदि अधिकारी।

अधिकारियों ने परिक्रमा मार्ग की सुरक्षा का लिया जायजा

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं को लेकर मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन एसके भगत, पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने मंगलवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने परिक्रमा मार्ग पर तैनात पुलिस बल, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध पेयजल, चिकित्सा और अन्य जनसुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। अधिकारियों ने मुख्य सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया, जहां से परिक्रमा मार्ग की प्रत्येक गतिविधि पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

यमुना में निर्माण पर सवाल रिवर फ्रंट का काम थमा

यमुना के प्राकृतिक प्रवाह और स्वरूप पर उठे सवाल

177 करोड़ की परियोजना पर छह सप्ताह में देनी होगी रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में यमुना नदी के किनारे 177 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे रिवर फ्रंट निर्माण कार्य अब रोक दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से अंतरिम रोक लगाने के बाद काम पूरी तरह से बंद हो गया है। ब्रज वृंदावन देवालय समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से छह सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

समिति का आरोप है कि रिवर फ्रंट का निर्माण यमुना नदी के भीतर काफी आगे तक किया जा रहा है। इससे नदी का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित होने के साथ जल प्रवाह भी बाधित हो सकता है। याचिका में कहा गया कि यदि निर्माण इसी प्रकार जारी रहा तो वृंदावन की धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पहचान पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। मामले की सुनवाई जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने की।

वृंदावन रिवर फ्रं ट परियोजना का उद्देश्य आठ प्रमुख घाटों का विकास, घाटों का सुंदरीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए बैठने की सुविधाएं और यमुना में गिरने वाले नालों की टेपिंग के माध्यम से प्रदूषण कम करना है।

इस परियोजना को पर्यटन और धार्मिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब परियोजना विवादों में आई है। करीब दस वर्ष पहले भी इस निर्माण को लेकर आपत्तियां उठी थीं, जिसके बाद मामला न्यायालय पहुंचा और कार्य लंबे समय तक रुका रहा। इलाहाबाद हाईकोर्ट से अनुमति मिलने के बाद अप्रैल 2026 में निर्माण दोबारा शुरू हुआ था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद फिर से काम ठप हो गया है। आगरा कैनाल के अधिशासी अभियंता नवीन कुमार ने कहा कि न्यायालय के आदेश के बाद काम बंद कर दिया है। तय समय सीमा के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। अब इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का भविष्य सुप्रीम कोर्ट में पेश होने वाली रिपोर्ट और आगामी सुनवाई पर निर्भर करेगा। न्यायालय का अंतिम निर्णय यह तय करेगा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाएगा।

वृंदावन की अपर नगर आयुक्त होंगी सुनीता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन नगर निगम में तैनात रहे अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक का शासन स्तर से तबादला कर उन्हें एटा में अपर जिलाधिकारी वित्त-राजस्व के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं, अमरोहा की एसडीएम सुनीता कुमारी को वृंदावन नगर निगम का नया अपर नगर आयुक्त बनाया गया है।

कम्पार्टमेंट परीक्षा से 62 परीक्षार्थी अनुपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। जिले के वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज में मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की सुधार (इम्प्रूवमेंट)/कम्पार्टमेंट परीक्षा दो पालियों में शांतिपूर्ण ढंग से हुई। प्रथम पाली में हाईस्कूल की परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए कुल 455 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 408 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 47 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की सुधार/कम्पार्टमेंट परीक्षा आयोजित हुई। इस परीक्षा के लिए 303 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 288 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। शेष 15 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

सुबह उमस का हमला दोपहर को मौसम सुहाना

उमस से परेशान महिला पंखा से हवा करते हुए।

बादलों और बारिश के मिलन ने दिलाई गर्मी से राहत

ठंडी बयार से मौसम खुशनुमा लोगों ने ली राहत की सांस

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को मौसम ने दिनभर कई रंग दिखाए। सुबह से ही तेज उमस और चिपचिपी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। आसमान पर बादलों की आवाजाही बनी रहने के बावजूद वातावरण में नमी अधिक होने से लोगों के शरीर पसीने से तरबतर रहे। घर से बाहर निकलने वाले लोगों को उमस के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। बाजारों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोग गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए छांव और ठंडी जगहों की तलाश करते नजर आए।

दोपहर में अचानक मौसम ने करवट ली। आसमान पर घने काले बादल छा गए और जिले के कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ स्थानों पर तेज बारिश भी हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने पूरे वातावरण को खुशनुमा बना दिया। सुबह तक उमस से परेशान लोग दोपहर बाद बदले मौसम का आनंद लेते दिखाई दिए। बारिश के बाद दिनभर आसमान पर बादलों का डेरा बना रहा। बादलों और ठंडी बयार के कारण शाम तक मौसम अपेक्षाकृत सुहाना बना रहा। हालांकि कुछ इलाकों में हल्की उमस बनी रही, लेकिन सुबह की तुलना में लोगों को काफी राहत महसूस हुई। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को भीषण उमस से राहत मिली।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक बादल छाए रहने तथा कहीं–कहीं हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई है। ऐसे में लोगों को गर्मी से और राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, बुधवार को हल्की से तेज बारिश होने के आसार हैं।

राष्ट्रीय हनुमान दल का सम्मान समारोह 30 को

यूनिक समय, राया। राष्ट्रीय हनुमान दल इकाई का सम्मान समारोह और कार्यालय का उद्घाटन 30 जुलाई को सायं चार बजे सादाबाद मार्ग पर होगा। हनुमान दल के नगर अध्यक्ष नीरज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश जिला नगर इकाई के पदाधिकारी-कार्यकर्ता भाग लेंगे।

चाय विक्रेता के साथ मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन में एक चाय वाले के साथ पिता-पुत्र द्वारा मारपीट करने के मामले में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बनवारी लाल ने पुलिस में दी गई तहरीर में शिकायत की है कि उसकी रेतिया बाजार में चाय की दुकान है। हर्ष ने उसकी दुकान के सामने ई–रिक्शा खड़ा कर दिया। ई–रिक्शा हटाने की कहने पर हर्ष ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए झगड़ा किया। आरोपित के पिता अशोक ने भी उसका साथ दिया और मारपीट की। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

सुरेश बने नंद समाज समिति के अध्यक्ष

यूनिक समय, राया। नंद समाज सेवा समिति के संस्थापक अरुण कुमार ने समाजसेवी ठा. सुरेशचंद्र सोंखिया को समिति का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया है।

पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर मनाया वेदव्यास प्राकट्योत्सव

संस्कृत भारती ने कृष्णगंगा घाट पर किया वैदिक अनुष्ठान और विद्वत गोष्ठी का आयोजन

कार्यक्रम में मौजूद विद्वान और विप्रजन।

यूनिक समय, मथुरा। संस्कृत भारती ब्रजप्रांत की ओर से व्यास पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर वेदव्यास की साधना स्थली कृष्णगंगा घाट पर वैदिक विधि–विधान के साथ प्राकट्योत्सव मनाया गया। शुभारंभ ओमप्रकाश बंसल, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल, गणेश शंकर पांडेय, आचार्य ब्रजेन्द्र नागर सहित अन्य अतिथियों ने वेदव्यास की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया। विद्वत गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए ओमप्रकाश बंसल ने कहा कि वेदव्यास कोई नाम नहीं, बल्कि एक उपाधि है। प्रत्येक द्वापर युग में भगवान विष्णु व्यास रूप में अवतरित होकर वेदों का विभाजन करते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है।

आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने बताया कि कृष्णद्वैपायन वेदव्यास महर्षि पाराशर और सत्यवती के पुत्र थे, उन्होंने वेदों का चार भागों में विभाजन किया। कार्यक्रम संयोजक योगेश उपाध्याय आवा ने कृष्णगंगा घाट के पौराणिक महत्व पर प्रकाश डाला। रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने आभार व्यक्त करते हुए वेदव्यास को संस्कृत साहित्य का महान रचनाकार बताया।

इस अवसर पर अनिल मित्तल, सुभाष सैनी,रमेश चंद्र शर्मा,डा जमुना शर्मा, संदीप चौधरी, राजेश उपाध्याय, उपेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र पंडित, किशोर सहारिया, मनोज शर्मा, बिठ्ठल माधव आदि ने भी विचार व्यक्त करते हुए वेदव्यास को त्रिकालदर्शी बताया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ग्रामीण की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के खरोंट रोड पर पैदल जाते एक ग्रामीण को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रामीण राजू निवासी खरोंट कल देर सायं कोसीकलां से घर के लिए लौट रहा था।

बताया गया कि रास्ते में उसे किसी तेज गति से आते अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक वाहन को भगा ले गया। ग्रामीणों को जब दुर्घटना का पता लगा तो वे भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस को भी बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर में महिला का शव मिलने से फैली सनसनी

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैंत क्षेत्र के गांव बाटी में मंगलवार सुबह बंद कमरे में एक महिला का गला कटा शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस के आला अधिकारी, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। गांव बाटी के जाटव मोहल्ला निवासी विजय पत्नी राजपाल सोमवार रात अपने घर में सोने गई थी। मंगलवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। ग्रामीणों ने देखा कि घर के सभी दरवाजे अंदर से बंद थे। ऊपरी कमरे का मुख्य गेट भी अंदर

बेड पर पड़ा हुआ था महिला का गला कटा शव

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर जांच की

से बंद था। कमरे का एक छोटा दरवाजा खुला होने पर पड़ोसी दूसरी छत के रास्ते अंदर पहुंचे। महिला बेड पर खून से लथपथ अवस्था में पड़ी थी। उसका गला कटा हुआ था और कमरे में काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर एसपी सिटी राजीव कुमार, सीओ सदर वरुण मिश्रा और थाना प्रभारी जैंत सोनू

बेटे की तहरीर पर पुलिस जांच में जुटी

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका का पति राजपाल अलीगढ़ में नौकरी करता है। उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा फरीदाबाद में और छोटा बेटा आगरा की एक निजी कंपनी में कार्यरत है। घटना की सूचना मिलने पर दोनों बेटे गांव पहुंच गए। मामले में छोटे बेटे ने थाना जैंत में तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है।

कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर नमूने और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

किशोरी को भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली क्षेत्र से एक किशोरी को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में किशोरी के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि उनकी 15 वर्षीय पुत्री 23 जुलाई को घर से बाजार में सामान खरीदने के लिए गई थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। इसके बाद घर पर मोबाइल फोन को देखने पर पता लगा कि उसे किसी ने कॉल करके बुलाया था। कॉल करने वाले के बारे में जानकारी की गई तो वह आगरा का रहने वाला टार्जन दिवाकर पुत्र सुरेश दिवाकर है। पीड़ित ने पुत्री को बरामद कर उससे अगवा करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है।

हाईवे पर चार वाहन भिड़े, चार लोग घायल

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाता क्षेत्र स्थित संस्कृत यूनिवर्सिटी के समीप दिल्ली से आता एक तेज रफ्तार ट्रक सामने चलते ईंटों से भरे ट्रैक्टर से टकरा गया। दोनों वाहनों के टकराने की वजह से पीछे से आते दो कंटेनर भी आपस में टकरा गए। दोनों वाहनों में चार लोग गंभीर घायल हो गए। इसके चलते हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस और हाईवे कर्मचारियों ने क्रेन से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवा कर जाम को खुलवाया। आज प्रातः करीब चार बजे दिल्ली की ओर से आगरा के लिए जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक सामने जाते ईंटों से भरे ट्रौला से टकरा गया। दुर्घटना के बाद दोनों वाहन सड़क पर इस तरह से फंस गए कि रोड जाम हो गया। इसी दौरान दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से एक कंटेनर आकर टकरा गया। कुछ ही देर बाद दूसरा कंटेनर भी आकर टकरा

वाहन में फंसे घायलों को पुलिस ने निकालकर पहुंचाया अस्पताल

हाईवे पर लगा लंबा जाम दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन से हटवाया गया

गया। इसके बाद वाहनों की काफी लंबी लाइन लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों कंटेनरों में फंसे चार लोगों को किसी तरह स्थानीय लोगों की सहायता से निकाल कर एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। मौके पर पहुंचे हाईवे ऑथर्टी के कर्मचारियों ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया। इसके बाद ही दो घंटों से अधिक समय के बाद जाम में फंसे वाहन को निकाला गया।

पत्नी के खिलाफ बेटे की हत्या की रिपोर्ट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। प्रेमी से फोन पर बातचीत के दौरान व्यवधान डालने पर मां ने तीन साल के बेटे का गला दबा दिया। इसके बाद उसे साधारण घटना बता दिया। बच्चे की मौत की सही वजह पता लगने पर पति ने पत्नी के खिलाफ थाना बल्देव में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

गांव छौली निवासी कृष्ण मुरारी ने पत्नी के खिलाफ तहरीर दी है कि 28 जून को सायं पांच बजे पत्नी ने फोन किया कि माधव कई बार जगाने के बाद भी नहीं जाग रहा है। इस पर वह बेटे को मथुरा के सिम्स हॉस्पिटल ले गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे का अंतिम संस्कार कर दिया। 21 जुलाई को उसने पत्नी से पूछा कि रोहित कौन है। इस पर वह आनाकानी करने लगी। मोबाइल नंबर बात करने का पता लगाया

पुलिस आरोपित महिला से कर रही है पूछताछ

प्रेमी से फोन पर बात करने पर बेटा कर रहा था परेशान

तो जानकारी मिली कि पत्नी रोहित से बातचीत करती थी। दोनों का काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। फोन पर प्रेमी से बातचीत के दौरान माधव शोर करता था। इससे पत्नी नाराज होती थी। उस दिन भी पत्नी ने नाराज होकर बेटे का गला दबाकर हत्या कर दी। काफी पूछताछ के बाद पत्नी ने बेटे की हत्या करने की बात स्वीकार की। इस पर पत्नी के खिलाफ बेटे की हत्या की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कथित पत्रकार गिरफ्तार

घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ और कर रहा था मारपीट

दस लाख की चौथ वसूली का भी लगा आरोप

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने एक कथित पत्रकार को घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, मारपीट और दस लाख की चौथ वसूली करने के मामले में गिरफ्तार किया है।

बताया गया कि कथित पत्रकार रिहान पुत्र मुकीम निवासी सुखदेव नगर कॉलोनी वहीं रहने वाली एक महिला के घर में दोपहर को घुस गया। घर में घुसकर महिला और घर में मौजूद लड़कियों से छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट कर 10 लाख की चौथ देने के लिए कहने लगा। दस लाख की चौथ वसूली वह कर चुका है। महिलाओं ने घर में मारपीट कर रहे पत्रकार के बारे में थाना गोविंदनगर को सूचना दी। थाना प्रभारी अजय वर्मा ने पुलिस टीम के साथ उसे महिला के घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बंगाली घाट पर भाई को भतीजे और छोटे भाई ने पीटा

यूनिक समय, मथुरा। शहर के बंगालीघाट स्थित टाइल्स के गोदाम पर गाड़ी लोड कराने के दौरान गोदाम मालिक के साथ उसके भाई और भतीजे ने मारपीट की। इसके साथ गाड़ी और घर के अंदर तोड़ फोड़ की। मामले में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आनंद चतुर्वेदी निवासी 4555 बंगाली घाट ने रिपोर्ट में कहा है कि कल दोपहर को बंगाली घाट स्थित गोदाम से टाइल्स को गाड़ी लदवा रहा था। इसी दौरान उसके छोटे भाई संजय चतुर्वेदी और

टाइल्स लोड करने वाली गाड़ी और घर के कांच तोड़े

भतीजे ध्रुव चतुर्वेदी द्वारा गाली गलौज करते हुए जानसे मारने की धमकी देते हुए मारपीट की गई। आरोपितों ने लोड की जाने वाली गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। घर के अंदर और दुकान के दरवाजे के कांच भी तोड़ दिए। पीड़ित हार्ट का मरीज है। ये लोग आए दिन उसके साथ मारपीट करते रहते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में जेबकतरे सक्रिय

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं के बीच जेबकतरे भी आ रहे हैं। आए दिन श्रद्धालुओं की जेब साफ हो रही है। मामले पुलिस चौकी और कोतवाली तक पहुंचते हैं, लेकिन जेब कतरों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जेबकतरा किसी का मोबाइल पार करता है तो किसी का पर्स पार करते हैं।

ऐसा ही एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें एक जेबकतरा श्रद्धालु की जेब को साफ करता दिखाई दे रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि मंदिर के अंदर और बाहर लगे सीसी कैमरों में कितनी जेबकतरों की करतूत कैद होती होंगी,

वायरल वीडियो उजागर कर रही है करतूत

यह तो भगवान ही जानें, लेकिन इतना जरुर है कि जेबकतरा यदाकदा ही पकड़ में आते हैं। मंदिर के आसपास स्थित दुकानदारों की मानें तो रोजाना किसी न किसी श्रद्धालु की जेब साफ हो जाती है। श्रद्धालु को अपनी जेब साफ होने का अहसास उस समय होता है, जब वह भीड़ से निकलकर बाहर निकलता है तो हैरान रह जाता है और काफी सजगता के बाद भी जेब साफ हो जाती है।

श्रद्धालुओं की भीड़ अपेक्षा से कम, रेलवे और पुलिस व्यवस्था चौकस

गुरु पूर्णिमा से पहले सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

यात्रियों की सहायता में जुटे रेलवे कर्मचारी सुरक्षा बल

मंगलवार को मथुरा जंक्शन पर आई ट्रेन में चढ़ने को तैयार यात्री। मथुरा जंक्शन पर आयोजित भंडारे मे प्रसाद पाने को लाइन में लगे श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले के समापन में अब केवल एक दिन शेष हैं, लेकिन इस बार रेलवे जंक्शन से लेकर रोडवेज बसों तक श्रद्धालुओं की भीड़ पिछले वर्ष की तुलना में कम दिखाई दे रही है। पिछले साल मेले के दौरान रेलवे और रोडवेज को यात्रियों की भारी संख्या के कारण अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि इस बार कम भीड़ को देखते हुए राजस्व में भी कमी आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, गुरु पूर्णिमा से एक दिन पहले बाहरी राज्यों से श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। कोई गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने के लिए ब्रज पहुंच रहा है तो कोई अपने गुरु के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लेने के लिए कान्हा की नगरी मथुरा-वृंदावन आ रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या भले ही अपेक्षाकृत कम हो, लेकिन आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दे रही है।

मथुरा जंक्शन पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। स्टेशन परिसर से लेकर प्लेटफॉर्म और बाहर निकलने वाले मार्गों तक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई। बाहर से आए आरपीएफ के कमांडेंट ने स्थानीय अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। आरपीएफ और जीआरपी के प्रभारी भी लगातार स्टेशन परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आरपीएफ के जवान हाथों में माइक लेकर ट्रेनों में चढ़ने और उतरने वाले यात्रियों को आवश्यक जानकारी देते रहे। कई स्थानों पर सुरक्षा कर्मी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित तरीके से ट्रेन में चढ़ाने और उतारने में भी मदद करते दिखाई दिए।

भोपाल से आए श्रद्धालु रामकिशोर सिंह ने बताया कि वे हर वर्ष गुरु पूर्णिमा पर मथुरा आते हैं। उनके अनुसार, इस बार पिछले वर्षों की तुलना में भीड़ काफी कम है, लेकिन रेलवे और सुरक्षा बलों की व्यवस्थाएं सराहनीय हैं। वहीं झांसी से आई श्रद्धालु प्रियंका देवी ने कहा कि स्टेशन पर तैनात कर्मचारी पूरी लगन से यात्रियों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई कर्मचारियों ने महिलाओं और बुजुर्ग यात्रियों का हाथ पकड़कर उन्हें सुरक्षित ट्रेन में बैठाया, जिससे यात्रियों को काफी राहत मिली।

मुड़िया मेले में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेजों की प्रदर्शनी

परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं ने देखे प्रदर्शित ऐतिहासिक साक्ष्य

श्रद्धालुओं तक पहुंचा श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का संदेश : महेंद्र

परिक्रमा मार्ग में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े पंपलेट वितरित करते संत।

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले के दौरान गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए उमड़े श्रद्धालुओं के बीच मंगलवार को राधाकुंड स्थित श्री गुरु कार्ष्णि बृजनंद उदासीन आश्रम (बागड़ी की प्याऊ) में श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी का उद्देश्य श्रीकृष्ण जन्मभूमि के इतिहास और न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण से संबंधित उपलब्ध ऐतिहासिक सामग्री से श्रद्धालुओं को अवगत कराना था।

प्रदर्शनी का शुभारंभ आश्रम के संस्थापक स्वामी रविन्द्रानंद ने पंपलेट वितरण के साथ किया। इस अवसर पर स्वामी विश्वात्मानंद और संत श्यामानंद भी उपस्थित रहे। दिनभर बड़ी संख्या में परिक्रमार्थियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर वहां प्रदर्शित ऐतिहासिक दस्तावेजों, ग्रंथों और अन्य अभिलेखों की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी का आयोजन श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह प्रकरण में हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में चलाए जा रहे जनजागरण अभियान के अंतर्गत किया गया। प्रदर्शनी में उपलब्ध ऐतिहासिक पुस्तकों, अभिलेखों और दस्तावेजों के आधार पर तैयार सामग्री प्रदर्शित की गई। आयोजनकर्ताओं ने श्रद्धालुओं को बताया कि न्यायालय में लंबित वाद में इन्हीं ऐतिहासिक तथ्यों और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर पक्ष रखा जा रहा है। महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि मुड़िया मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और ऐसे अवसर पर ऐतिहासिक जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है, पक्षकार संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप अपना पक्ष रख रहे हैं। कार्यक्रम में आश्रम के भक्त सुनील सिंह, निर्मला सिंह, सोनिया, सुनीता, शिखा सिंह, शिवम कुमार, विशाल सिंह, कान्हा, रवि कुमार, मोनू चौधरी, दिलीप चौधरी, धर्म सिंह सहित अन्य सहयोगियों ने प्रदर्शनी संचालन, पंपलेट वितरण और श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभाई। मेले की आस्था और श्रद्धा के बीच आयोजित यह प्रदर्शनी दिनभर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

जाम से मिली निजात पैदल चले श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले में इस वर्ष पिछले साल की तुलना में श्रद्धालुओं की संख्या कम रहने से रेलवे प्रशासन, रोडवेज, जीआरपी और आरपीएफ ने राहत की सांस ली। कम भीड़ के कारण मथुरा जंक्शन पर व्यवस्थाएं सुचारु बनी रहीं और यात्रियों को भी धक्का-मुक्की का सामना नहीं करना पड़ा। स्टेशन के बाहर जाम की स्थिति न बने, इसके लिए रेलवे प्रशासन ने पहले ही बैरिकेडिंग और स्टॉपर लगाकर ऑटो, ई-रिक्शा और अन्य वाहनों का प्रवेश सीमित कर दिया। यातायात सुचारु रहा और स्टेशन के बाहर जाम नहीं लगा। हालांकि, गोवर्धन परिक्रमा कर लौट रहे कई श्रद्धालुओं को स्टेशन तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ा, जिससे उन्हें कुछ असुविधा हुई। वहीं, मथुरा जंक्शन के स्टेट बैंक से जंक्शन जाने वाले रास्ते पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। यहां बड़ी संख्या में यात्रियों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मथुरा जंक्शन पर उमस भरी गर्मी से श्रद्धालु हुए बेहाल

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन पर ट्रेनों का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। परिक्रमा पूरी करने के बाद श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य के लिए स्टेशन पहुंचे, लेकिन ट्रेनों के इंतजार के दौरान गर्मी और उमस ने उनकी परेशानी बढ़ा दी। स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर बैठे श्रद्धालुओं का हाल बेहाल नजर आया। कोई हाथ के पंखे से हवा करता दिखाई दिया, तो कोई रूमाल और अखबार से खुद को हवा कर गर्मी से राहत पाने की कोशिश करता रहा। छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी उमस के कारण काफी परेशान दिखे। उमस भरी गर्मी में श्रद्धालुओं के चेहरे पर भक्ति और आस्था का उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। थकान और गर्मी के बीच भी उनके जयकारों और भगवान के प्रति समर्पण में कोई कमी नहीं दिखी।

स्टेशन के बाहर श्रद्धालुओं ने किया विश्राम

मथुरा जंक्शन के बाहर आराम करते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेला के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आगरा मंडल ने 24 से 31 जुलाई तक मथुरा जंक्शन और गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा, परिचालन और यात्री सुविधाओं के व्यापक प्रबंध किए हैं। पूरे मेला अवधि में वरिष्ठ अधिकारियों की 24 घंटे निगरानी कर रहे है। मथुरा मेला कंट्रोल रूम में प्रतिदिन एक अधिकारी और गोवर्धन स्टेशन पर एक जूनियर स्केल अधिकारी की तैनाती कर व्यवस्थाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर रहे है। रेलवे ने भीड़ नियंत्रण के लिए लगभग 350 रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मी, 90 वाणिज्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, 90 टिकट जांच कर्मी और 85 भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्वयंसेवकों को शिफ्टवार लगाए गए है। दोनों स्टेशनों पर करीब 280 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है तथा यात्रियों की सुविधा के लिए होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं। मेला अवधि में 17 विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसके अलावा चार ट्रेनों का अस्थायी ठहराव, पांच जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी विस्तार तथा आवश्यकता पड़ने पर ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) सेवा भी उपलब्ध रहेगी। मथुरा जंक्शन पर 21 और गोवर्धन स्टेशन पर चार अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं। वहीं, देर रात ट्रेनों की प्रतीक्षा कर रहे और परिक्रमा के बाद विश्राम कर रहे श्रद्धालु मथुरा जंक्शन के बाहर खुले स्थानों पर आराम करते नजर आए। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए रेलवे प्रशासन और सुरक्षा बल लगातार निगरानी बनाए रहे।

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे पौत्र चि0 नारायण अग्रवाल सुपुत्र अंकुर अग्रवाल (गैस वाले) का आकस्मिक निधन दिनांक 28.07.2026 को हो गया है। उठावनी दिनांक 29.07.2026 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरूषों की सांय 4 से 5 बजे तक चित्रकूट मसानी, मथुरा पर होगी।

स्व. नारायण अग्रवाल

शोकाकुल- अशोक अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, पवन अग्रवाल (गैस वाले) एवं समस्त कागजी परिवार

प्रतिष्ठान

धनीराम मोतीलाल गैस वाले (गुडहाई बाजार, मथुरा) 9719017076

माधव श्रृंगार (गायत्री तपोभूमि, मथुरा) 9917026142

सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का बदला अंदाज

स्मार्ट क्लास से आसान हो रही पढ़ाई

यूनिक समय, मथुरा। समय के साथ शिक्षा का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अब सरकारी विद्यालयों में भी आधुनिक तकनीक के माध्यम से बच्चों को शिक्षा देना शुरू कर दिया है। विकास खंड राया स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय सरदारगढ़ में कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाया जा रहा है।

शिक्षिका पूजा चौधरी डिजिटल तकनीक और गतिविधि–आधारित शिक्षण पद्धति का उपयोग करते हुए बच्चों को सामान्य ज्ञान सहित अन्य विषय बेहद सरल, रोचक और सहज तरीके से समझा रही हैं। स्मार्ट स्क्रीन पर चित्र, वीडियो और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से पढ़ाई होने से बच्चे पूरे उत्साह के साथ कक्षा बच्चे पढ़ते है। इससे उनकी समझ, याद रखने की क्षमता और सीखने में रुचि लगातार बढ़ रही है। शिक्षिका पूजा चौधरी ने बताया कि जब पढ़ाई बच्चों की रुचि के अनुरूप और व्यवहारिक तरीके से कराई जाती है, तो बच्चे विषय को बेहतर ढंग से समझते हैं। यही कारण है कि स्मार्ट क्लास बच्चों के लिए पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि आनंददायक अनुभव बना रही है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सरदारगढ़ में बच्चों को स्मार्ट तरीके से पढ़ातीं शिक्षिका पूजा चौधरी।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सरदारगढ़ की शिक्षिका ने तकनीक और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में जगाई रुचि

बीएसए रतन कीर्ति ने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षा प्रणाली में बदलाव आवश्यक है। नई तकनीक से पढ़ाने से बच्चों की पढ़ाई आसन हो जाती है और बच्चे बड़े ही आसानी से विषयों को सीख रहे है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में भी अब पढ़ाई का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और स्मार्ट क्लास जैसी व्यवस्थाएं विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मथुरा जंक्शन पर ट्रेन से गिरा व्यक्ति, मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से एक व्यक्ति के गिरने की सूचना मिलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर व्यक्ति का उपचार कराया गया। जानकारी के अनुसार घायल को प्राथमिक उपचार कराया।

एएसएम कॉलेज में कौशल विकास मिशन के नए प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एएसएम कॉलेज परिसर में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के नए प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने किया।

उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और कौशल विकास के माध्यम से बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। सीडीओ ने कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास रोजगार और स्वरोजगार की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने, नई तकनीकों को सीखना चाहिए, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

जिला कौशल प्रबंधक ललित यादव ने प्रशिक्षण केंद्र में संचालित होने वाले विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए युवाओं से प्रशिक्षण से जुड़ने को कहा गया। इस मौके पर अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहा।

उ.प्र. कौशल विकास मिशन के प्रशिक्षण में सीडीओ डॉ.पूजा गुप्ता का स्वागत करती शिक्षिका।

माध्यमिक विद्यालयों में ऑनलाइन पंजीकरण की रफ्तार सुस्त

डीआईओएस ने समय सीमा में कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। जिले के राजकीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा नौ और 11 के छात्रों के अग्रिम ऑनलाइन पंजीकरण, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा–2027 के आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया अपेक्षाकृत धीमी चल रही है। इस पर डीआईओएस ने सभी विद्यालयों को निर्धारित समय सीमा के भीतर शत–प्रतिशत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

डीआईओएस राघवेंद्र सिंह ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार कक्षा नौ व 11 के अग्रिम ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 अगस्त 2026, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2027 के ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2026 निर्धारित है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि इन तिथियों में किसी प्रकार का विस्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 537 विद्यालयों का डाटा पोर्टल पर अपलोड होना है, लेकिन अब तक केवल 249 विद्यालयों का ही कार्य पूरा हो सका है। जिले में 36 राजकीय, 73 सहायता प्राप्त और 408 निजी विद्यालय हैं। डीआईओएस ने सभी प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों से कहा है कि वे पंजीकरण और परीक्षा आवेदन की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए निर्धारित समय के भीतर सभी छात्रों का कार्य पूरा कराएं, ताकि किसी भी छात्र–छात्रा का पंजीकरण या परीक्षा आवेदन लंबित न रह जाए। इससे विद्यार्थियों को भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति के ऑनलाइन आवेदन 11 अगस्त से

विद्यालयों को पांच अगस्त तक मास्टर डाटाबेस अपडेट करने के निर्देश

छात्रों को समय पर आवेदन कराने के लिए संस्थानों से अपील

यूनिक समय, मथुरा। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए पूर्वदशम (कक्षा 9–10) और दशमोत्तर (कक्षा 11–12) छात्रवृत्ति योजनाओं की समय–सारिणी जारी कर दी गई है। इसके तहत विद्यालयों से लेकर छात्रवृत्ति भुगतान तक की समस्त प्रक्रिया निर्धारित तिथियों के अनुसार पूरी की जाएगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों को मास्टर डाटाबेस में शामिल होने के लिए 22 जुलाई से पांच अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसी अवधि में संबंधित विद्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करेंगे। नवीन शिक्षण संस्थानों को जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से पासवर्ड प्राप्त कर मास्टर डाटाबेस में सभी आवश्यक सूचनाएं भरकर अपलोड करनी होंगी।

निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार, छात्र–छात्राएं 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, इसलिए विद्यार्थियों को समय रहते सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने की सलाह दी गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के सभी पूर्वदशम और दशमोत्तर शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों से अपील की है कि वे शासन द्वारा जारी समय–सारिणी का पालन सुनिश्चित करें। साथ ही अपने विद्यालय में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति योजना की जानकारी देकर निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कराने में सहयोग करें, ताकि कोई भी पात्र छात्र–छात्रा छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

यूजीसी नेट में आदित्य शर्मा ने बाजी मारी

यूजीसी–नेट में 98.75 परसेंटाइल हासिल कर आईआईटी बॉम्बे में पीएचडी के लिए चयन

यूनिक समय, मथुरा। जिले के होनहार छात्र आदित्य शर्मा ने यूजीसी–नेट परीक्षा में 98.75 परसेंटाइल प्राप्त कर प्रतिष्ठित आईआईटी बॉम्बे में मार्केटिंग मैनेजमेंट विषय में पीएचडी के लिए चयनित होकर जनपद का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकों और पूर्व सैनिकों में खुशी की लहर है। आदित्य शर्मा श्रीराधा कृष्ण धाम कॉलोनी निवासी शिक्षक- पूर्व नायब सूबेदार रामकिशोर शर्मा के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय, रिफाइनरी नगर से की, फिर दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा से बी.टेक. और एमबीए की डिग्री हासिल की। परिजनों ने बताया कि आदित्य बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। इस उपलब्धि पर रमेश चंद, हिमालय,सुरभि,दानवीर, पूर्व सैनिकों, शिक्षकों प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पार्षद घनश्याम चौधरी पर हमला, तहरीर

यूनिक समय, वृंदावन। नगर निगम के पार्षद घनश्याम चौधरी पर हमला किए जाने की खबर है। इस संबंध में उन्होंने कोतवाली में तहरीर दी है। पार्षद का कहना है कि मामला बांकेबिहारी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत का है। वह घर से निकले थे और वीआईपी पुरोहित पाड़ा स्थित एक दुकान पर कचौड़ी खाने को रूक गए। वहां पहले से मौजूद एक युवक होलू निवासी वमनपुरी ने उनको देखते ही गालियां देना शुरु कर दिया। फिर जान से मारने की नीयत पर सिर पर प्रहार किया, वह लहुलूहान हो गए।

सार्वजनिक सूचना

मेरी वर्ष 2024-2025 कक्षा 10th की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक नं 1257147 रास्ते में कहीं खो गयी है, मैं दीपक पुत्र जग्गो राम भरोसे कॉलोनी सौंख रोड कृष्णानगर मथुरा।

हंसता आईना

केडी मेडिकल कॉलेज में नशा मुक्ति जागरूकता सप्ताह का शुभारम्भ

मेडिकल छात्र–छात्राओं ने स्वस्थ और नशामुक्त जीवन का लिया संकल्प

विशेषज्ञों ने नशे के दुष्प्रभाव और जागरूकता का दिया संदेश

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में मंगलवार को नशा मुक्ति जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन कॉलेज के डीन-प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू पांडेय, मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव सिंह और अन्य शिक्षकों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर मेडिकल छात्र–छात्राओं ने तंबाकू, सिगरेट, शराब और अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

डॉ. आर.के. अशोका ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और सामाजिक जीवन पर गहरा दुष्प्रभाव डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

उन्होंने मादक पदार्थों के सेवन से होने वाली शारीरिक और मानसिक बीमारियों, कानूनी परिणामों और समय रहते परामर्श लेने के महत्व पर भी जानकारी दी।

मनोचिकित्सक डॉ. श्वेता सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से बचाने के लिए जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने छात्रों से सोच–समझकर निर्णय लेने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान मेडिकल छात्रों और चिकित्सकों ने लघु नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बी.के. ज्योत्सना ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन और सकारात्मक सोच मानसिक तनाव को कम करने में सहायक है, व्यक्ति को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखती है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, चिकित्सक, कर्मचारी और छात्र–छात्राओं ने नशामुक्त जीवन शैली अपनाने, समाज में जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया।

नशा मुक्ति जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ करते कॉलेज के डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका आदि।

सार्वजनिक सूचना

मैं, जोगेन्द्र प्रसाद पुत्र धर्म दास निवासी सूर्य नगर, मथुरा, यह घोषित करता हूँ कि मेरा पुत्र कौशल किशोर गलत संगत में पड़ गया है, अपने किसी भी प्रकार के वित्तीय लेन-देन या सौदों के लिए स्वयं वह जिम्मेदार है। मैंने उससे सभी संबंध विच्छेद कर लिए हैं, और मेरा उससे कोई संबंध सरोकार नही है।

सार्वजनिक सूचना

मैं रूप किशोर यादव पुत्र श्री गुलाब चंद यादव निवासी- मं.सं 1/133, बंगाली घाट, गोपालपुरा जिला मथुरा उ.प्र. सूचित करता हूँ कि मेरे पुत्र का नाम आधारकार्ड में गलती से कान्हा यादव दर्ज हो गया है, जबकि पुत्र का वास्तविक सही नाम अमोघ यादव है, अब से भविष्य में उसे अमोघ यादव के नाम से जाना पढा जाये।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मुड़िया पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर गोवर्धन में उमड़ी आस्था

मंगलवार को गोवर्धन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब।

परिक्रमा मार्ग में सेल्फी का क्रेज दिखा। सेल्फी लेतीं युवतियां।

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर मंगलवार को गोवर्धन धाम पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। गिरिराज महाराज की परिक्रमा के लिए देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरा परिक्रमा मार्ग गुलजार रहा। श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही के चलते कई स्थानों पर मानव श्रृंखला जैसी स्थिति बनी रही। हर ओर राधे–राधे और गिरिराज महाराज की जय के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा।

परिक्रमा मार्ग पर जगह–जगह भजन–कीर्तन और धार्मिक गीतों की मधुर स्वर लहरियां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कराती रहीं। अनेक स्थानों पर संत–महात्मा

परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की मानव श्रृंखला बनी आकर्षण

कुसुम सरोवर की छटा ने मोहा मन, भक्ति गीतों से गूंजा ब्रज

प्रवचन देते नजर आए, जबकि विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का आयोजन किया गया।

श्रद्धालु गिरिराज महाराज के दर्शन और परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित करते दिखाई दिए।

परिक्रमा मार्ग के वायरल वीडियो की जांच में जुटा प्रशासन

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान गोवर्धन परिक्रमा मार्ग से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। वीडियो में कुछ लोग आपत्तिजनक गीतों पर प्रस्तुति देते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभी तक वीडियो के स्थान और समय की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है।

एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने बताया कि सबसे पहले यह पता लगाया जा रहा है कि वायरल वीडियो वास्तव में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का है या नहीं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वीडियो कब का है और इसमें दिखाई दे रही गतिविधियां किसकी ओर से आयोजित की गई थीं। संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट

मांगी गई है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

प्रशासन का कहना है कि यदि जांच में यह साबित होता है कि धार्मिक स्थल पर इस प्रकार की अनुचित गतिविधियां आयोजित की गई थीं, तो आयोजकों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

आपत्तिजनक प्रस्तुति के दावे पर प्रशासन ने लिया संज्ञान

सत्यता मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

अधिकारियों ने कहा कि गोवर्धन परिक्रमा मार्ग करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इसकी गरिमा और पवित्रता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी वायरल वीडियो या सूचना को सत्यापन के बिना साझा न करें और अफवाहों से बचें। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गणेश गुप्ता बने खंडेलवाल सेवा सदन ट्रस्ट के निर्विरोध अध्यक्ष

यूनिक समय,मथुरा। खंडेलवाल सेवा सदन की वार्षिक चुनावी सभा खंडेलवाल सेवा सदन में हुई। आगामी

तीन वर्ष के लिए सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। चुनाव अधिकारी प्रहलाद कुमार खंडेलवाल, ओम झालानी,सुभाष भाजरगान ने पदों की घोषणा की। इस मौके पर गणेश गुप्ता अध्यक्ष बने, जबकि पवन पाटोदिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष,मुकेश खंडेलवाल उपाध्यक्ष,अक्षय खंडेलवाल उपाध्यक्ष, राधे लाल खंडेलवाल महामंत्री, लक्ष्मण प्रसाद खंडेलवाल कोषाध्यक्ष, अमृत खंडेलवाल मंत्री, अभिनव खंडेलवाल ऑडिटर चुने गए। सुरेश चंद्र बुढवारिया, लक्ष्मी नारायण भुखनारिया, योगेश खंडेलवाल, प्रदीप कुमार, विष्णु खंडेलवाल, हजारी लाल खंडेलवाल, गिरीश खंडेलवाल, केदार खंडेलवाल, विजय कुमार खंडेलवाल, अनिल सांघिया राकेश खंडेलवाल नप्पु,दीपक खंडेलवाल आदि कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। इस अवसर पर भगवान दास पाटोदिया, महेश झालानी, पवन झालानी, प्रहलाद दास खंडेलवाल, मुकेश खंडेलवाल, राजेंद्र खंडेलवाल, आनंद प्रकाश खंडेलवाल, राकेश खंडेलवाल, सुशील भंडारी आदि ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी।

वित्त मंत्री से जीएसटी की विसंगतियों को दूर करने की मांग

यूनिक समय, वृंदावन। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने जीएसटी से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम एक मांग पत्र जीएसटी के संयुक्त आयुक्त को सौंपा। व्यापारियों ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद व्यापारियों को अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि तकनीकी त्रुटियों या मानवीय भूल के कारण पूर्ण कर जमा होने के बावजूद व्यापारियों पर अनावश्यक जुर्माना और कार्रवाई न की जाए। व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष अलोक बंसल का कहना है कि इन समस्याओं के समाधान से व्यापारियों को राहत मिलेगी, व्यापार सुगम होगा, कर प्रणाली के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। इस मौके पर संयुक्त महामंत्री-प्रेम मंदिर व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष ठाकुर, इस्कॉन व्यापार मंडल अध्यक्ष आशु गौतम, आकाश गोस्वामी और रामू गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सारंग हाई इंपैक्ट स्कूल में मनाई गई गुरु पूर्णिमा

यूनिक समय, मथुरा। सारंग हाई इंपैक्ट स्कूल में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों को गुरु–शिष्य परंपरा, माता–पिता और शिक्षकों के सम्मान के महत्व का संदेश दिया गया।

शुभारंभ विद्यालय के निदेशक मार्तंड देव उपाध्याय और प्रधानाचार्य अंजु मल्होत्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षकों का सम्मान किया गया। विद्यार्थियों ने गुरु वंदना, प्रेरक भाषण, काव्य पाठ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु के महत्व के बारे में बताया गया। विद्यालय में बैगलेस डे (बस्ता–मुक्त दिवस) का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों ने अपने माता–पिता

सारंग हाई इंपैक्ट स्कूल में गुरु पूर्णिमा उत्सव का शुभारंभ करते निदेशक मार्तंड देव उपाध्याय।

को प्रथम गुरु मानते हुए उनके लिए हस्तनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। शिक्षकों को कार्ड, पुष्प और धन्यवाद संदेश भेंट कर उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। निदेशिका खुशबू ओहरी ने कहा कि सच्ची शिक्षा का आधार कृतज्ञता और संस्कार हैं। निदेशक ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने वाला नहीं, बल्कि वह व्यक्तित्व निर्माण का मार्गदर्शक होता है, जो अज्ञानता को दूर कर नैतिक मूल्यों का प्रकाश फैलाता है।

जैंत में स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों का निरीक्षण

यूनिक समय, मथुरा। सीडीओ ने मंगलवार को ग्राम पंचायत जैंत का भ्रमण कर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तुलसी उत्पादन और तुलसी माला निर्माण से जुड़े महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों से संवाद कर उनके कार्यों की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान महिला समूहों ने तुलसी की खेती में आने वाली विभिन्न समस्याओं से सीडीओ पूजा गुप्ता को अवगत कराया। साथ ही तुलसी माला तैयार होने के बाद उसके विपणन के लिए, उपयुक्त बाजार उपलब्ध कराने की आवश्यकता भी रखी। सीडीओ ने महिलाओं की बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं

समूहों की महिलाओं से जानकारी लेती सीडीओ पूजा गुप्ता।

के समाधान, उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की आय बढ़ाने के लिए स्थानीय और बड़े बाजारों से जोड़ने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए।

भ्रमण के दौरान सीडीओ पूजा गुप्ता ने पर्यटन विभाग द्वारा विश्व बैंक के सहयोग से संचालित योजना के अंतर्गत पूर्व में निर्मित भवनों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने भवनों की वर्तमान स्थिति, उपयोगिता और रखरखाव की जानकारी प्राप्त की। संबंधित अधिकारियों को इन भवनों से संबंधित संपूर्ण विवरण, निर्माण की स्थिति और वर्तमान उपयोग की विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने तुलसी उत्पादन और विपणन पर की चर्चा

इस अवसर पर ग्राम पंचायत के अधिकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े कर्मचारी और महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। भ्रमण का उद्देश्य ग्रामीण आजीविका गतिविधियों को मजबूत करना और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना रहा।

प्रदेश स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता को जिला स्तरीय ट्रायल 11 अगस्त को

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मथुरा के पहलवानों का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 11 अगस्त को मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में होगा। चयनित खिलाड़ी आगरा मंडल की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल निदेशालय के तत्वावधान में नाग पंचमी पर 16 और 17 अगस्त को गोरखनाथ मंदिर परिसर गोरखपुर में प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता 55 से 65 किलोग्राम, 66 से 80 किलोग्राम, 80 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में कराई जाएगी। विजेता पहलवानों को उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही 11,000 से 1,01,000 तक के नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के लिए जनपद का जिला स्तरीय चयन ट्रायल 11 अगस्त को सुबह 11 बजे मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। इसके बाद 12 अगस्त को दोपहर 3 बजे आगरा में मंडल स्तरीय ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए कोई शुल्क नहीं है।

सुविचार

खामोशी में भी कई सपने अपनी नई उड़ान खोज लेते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	06:19-08:05 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	श्रवण	03:37-05:43 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:45 AM	चन्द्रोदय	07:12 PM
सूर्यास्त		7:06 PM	चंद्रास्त	06:05 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:59AM–12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:25 PM: 02:05 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, यात्रा संभव है।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक सुख मिलेगा। निवेश सोच–समझकर करें। सेहत अच्छी रहेगी, मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुनः नए अवसर मिलेंगे। नौकरी में सम्मान बढ़ेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। खर्च बढ़ सकता है। धैर्य और संयम बनाए रखें।

कर्कः कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लाएगी। परिवार में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

सिंहः नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। पुराने विवाद सुलझेंगे।

कन्याः नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक लाभ होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिवार में सौहार्द बना रहेगा।

तुलाः भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार में उन्नति होगी। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। निवेश लाभदायक रहेगा।

वृश्चिकः कार्यों में सफलता मिलेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

धनुः धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में प्रगति होगी। आर्थिक लाभ संभव है। यात्रा शुभ रहेगी।

मकरः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा।

कुंभः नई योजनाएं सफल होंगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे। आत्मविश्वास से आगे बढ़ें, सफलता मिलेगी।

मीनः मन शांत रहेगा। करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा।

गुरुपूर्णिमा से महादेव करेंगे शयन, रुद्रदेव संभालेंगे सृष्टि का दायित्व

चातुर्मास में रुद्रदेव करेंगे जगत का संचालन

रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप से मिलेगी शिव कृपा और शांति

यूनिक समय, मथुरा। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा पर मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा इस वर्ष 29 जुलाई को विशेष धार्मिक महत्व लेकर आ रही है। इस दिन गुरु पूजन और महर्षि वेदव्यास की आराधना के साथ–साथ शिव शयनोत्सव भी मनाया जाएगा। सनातन परंपरा के अनुसार देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं, जबकि गुरु पूर्णिमा से भगवान शिव समाधि स्वरूप शयन की ओर अग्रसर होते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में सृष्टि के संरक्षण और व्यवस्था का दायित्व भगवान शिव के रौद्र स्वरूप रुद्रदेव संभालते हैं।

शैव परंपराओं के अनुसार शिव शयनोत्सव के अवसर पर देशभर के शिवालयों और मठों में भगवान शिव का रुद्राभिषेक, विशेष श्रृंगार, शयन आरती और भजन–कीर्तन का आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु बेलपत्र, धतूरा, भांग, चंदन, पुष्प और फल अर्पित कर सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना करते हैं। इस दिन गुरु पूजन, दान–पुण्य और महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी अत्यंत फलदायी माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार शिव शयनोत्सव के बाद चातुर्मास के दौरान रुद्रदेव सृष्टि की व्यवस्था का संचालन करते हैं। धर्माचार्यों का कहना है कि यह काल आत्मसंयम, तप, भक्ति और धार्मिक अनुशासन का समय होता है। मान्यता है कि इस अवधि में किए गए शुभ कर्मों का विशेष फल प्राप्त होता है तथा रुद्रदेव साधकों के कर्मों पर विशेष दृष्टि रखते हैं।

ऋग्वेद, यजुर्वेद और विभिन्न पुराणों में रुद्र को भगवान शिव का तेजस्वी, पराक्रमी और लोककल्याणकारी स्वरूप बताया गया है। श्रीरुद्रम में उन्हें समस्त सृष्टि में व्याप्त दिव्य शक्ति माना गया है, जबकि शिव पुराण, लिंग पुराण और स्कंद पुराण में रुद्र को धर्म की रक्षा और अधर्म के विनाश का प्रतीक बताया गया है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मान्यता है कि जब संसार में अधर्म बढ़ता है, तब रुद्र लोककल्याण के लिए सक्रिय होते हैं।

धर्माचार्यों के अनुसार गुरु पूर्णिमा पर शिव शयनोत्सव के अवसर पर श्रद्धा और विधि–विधान से भगवान शिव की आराधना करने, रुद्राभिषेक कराने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से मानसिक शांति, आध्यात्मिक उन्नति और भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यही कारण है कि गुरु पूर्णिमा का यह पर्व गुरु भक्ति, शिव आराधना और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम माना जाता है।

कपूर और लौंग जलाने से पवित्र बनता है घर का वातावरण

आस्था अनुसार बढ़ती सकारात्मक ऊर्जा

सुगंधित वातावरण संग धार्मिक परंपरा का विशेष महत्व

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में पूजा-अर्चना के दौरान कपूर और लौंग का उपयोग प्राचीन समय से किया जाता रहा है। विशेष रूप से आरती के समय कपूर के साथ लौंग जलाने की परंपरा कई घरों और मंदिरों में आज भी निभाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि श्रद्धा, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि कपूर पूरी तरह जलकर बिना राख छोड़े समाप्त हो जाता है, जो अहंकार के त्याग और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का संदेश देता है। वहीं लौंग को शुभता, मंगल और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। इसलिए आरती के समय कपूर के साथ लौंग जलाने से पूजा का वातावरण अधिक पवित्र और सात्विक माना जाता है।

कपूर और लौंग दोनों में प्राकृतिक सुगंध होती है। कपूर की तेज सुगंध और लौंग में मौजूद प्राकृतिक तत्व वातावरण में खुशबू फैलाते हैं, जिससे पूजा के दौरान मन को शांति और एकाग्रता का अनुभव होता है। हालांकि, इन्हें जलाने से हवा पूरी तरह शुद्ध हो जाती है या सभी कीटाणु नष्ट हो जाते हैं, इस संबंध में पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

आयुर्वेद में लौंग और कपूर दोनों का अलग–अलग महत्व बताया गया है। लौंग का उपयोग पारंपरिक रूप से दांत और गले से जुड़ी समस्याओं में किया जाता है, जबकि कपूर का प्रयोग बाहरी उपयोग और सुगंध चिकित्सा में होता है। यदि किसी व्यक्ति को धुएं या तेज सुगंध से एलर्जी अथवा अस्थमा की समस्या हो तो सावधानी बरतनी चाहिए।

वास्तु और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार कपूर और लौंग जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर होती है। हालांकि यह विश्वास धार्मिक आस्था पर आधारित है, इसलिए इसे वैज्ञानिक तथ्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

मां छिन्नमस्ता का रहस्य, त्याग और शक्ति का दिव्य स्वरूप

मां ने सहचरियों की भूख मिटाने को स्वयं काटा था अपना शीश

त्याग, करुणा और आत्मबल का देती है दिव्य संदेश

यूनिक समय, मथुरा। देवी दुर्गा के दस महाविद्याओं में शामिल मां छिन्नमस्ता का स्वरूप जितना अद्भुत है, उतना ही रहस्यमयी और आध्यात्मिक भी माना जाता है। इस रूप में माता एक हाथ में अपना कटा हुआ शीश और दूसरे हाथ में खड्ग धारण किए रहती हैं। उनकी गर्दन से निकलती रक्त की तीन धाराओं में से दो उनकी सहचरियों डाकिनी और शाकिनी को तथा तीसरी स्वयं माता के मुख में जाती है।

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार मंदाकिनी नदी में स्नान के बाद डाकिनी और शाकिनी को तीव्र भूख लगी। उनकी पीड़ा देखकर मां दुर्गा ने करुणा और मातृत्व भाव से अपना शीश स्वयं काट दिया, ताकि अपने रक्त से उनकी भूख शांत कर सकें। इसी महान त्याग के कारण उन्हें मां छिन्नमस्ता कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि माता का यह स्वरूप त्याग, आत्मबल, करुणा और भौतिक इच्छाओं पर विजय का प्रतीक है। उनके चरणों के नीचे कामदेव और रति का होना यह संदेश देता है कि आध्यात्मिक उन्नति के लिए मोह, वासना और अहंकार पर नियंत्रण आवश्यक है। मां छिन्नमस्ता की आराधना से भय दूर होता है तथा आत्मशक्ति और साहस की प्राप्ति होती है।

बिस्तर पर कार्यालय बनाना करियर के लिए पड़ सकता है भारी

काम और आराम की जगह हमेशा रखें अलग

सही कार्यस्थल बढ़ाए एकाग्रता, अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। घर से काम करने की बढ़ती संस्कृति ने लोगों की कार्यशैली बदल दी है। सुविधा के लिए कई लोग लैपटॉप लेकर सीधे बिस्तर पर बैठकर काम करने लगते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह आदत लंबे समय में कार्यक्षमता और दिनचर्या दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। वहीं, वास्तु और ज्योतिष की पारंपरिक मान्यताओं में भी काम और आराम की जगह अलग रखने की सलाह दी गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार बिस्तर का संबंध विश्राम और नींद से होता है, जबकि कार्यस्थल एकाग्रता, अनुशासन और सक्रियता का प्रतीक माना जाता है। यदि व्यक्ति लगातार बिस्तर पर बैठकर काम करता है तो धीरे–धीरे काम और आराम के बीच का अंतर समाप्त होने लगता है। इससे आलस्य बढ़ सकता है, ध्यान भटक सकता है और काम की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। लंबे समय तक इस आदत के बने रहने से मानसिक थकान और तनाव भी बढ़ने की संभावना रहती है।

वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार कार्यस्थल को साफ–सुथरा और व्यवस्थित रखना शुभ माना जाता है। पारंपरिक मान्यता है कि अव्यवस्थित स्थान पर काम करने से सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित हो सकती है। हालांकि इन मान्यताओं का वैज्ञानिक आधार सीमित है, फिर भी व्यवस्थित वातावरण कार्य करने की क्षमता बढ़ाने में सहायक माना जाता है। घर से काम करने वालों के लिए सलाह दी जाती है कि वे अलग टेबल और कुर्सी का उपयोग करें। यदि संभव हो तो कार्य मेज को उत्तर या पूर्व दिशा में रखें और काम करते समय चेहरा भी इन्हीं दिशाओं की ओर रखें। इससे नियमित कार्यशैली विकसित करने में सहायता मिल सकती है। विशेषज्ञ यह भी सुझाव देते हैं कि कार्यस्थल पर अनावश्यक सामान जमा न होने दें, आवश्यक दस्तावेज व्यवस्थित रखें और आसपास का वातावरण स्वच्छ बनाए रखें। काम और आराम के स्थान को अलग रखने से न केवल एकाग्रता बढ़ती है, बल्कि समय प्रबंधन, अनुशासन और पेशेवर प्रदर्शन में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिल सकता है। यही छोटी–छोटी आदतें लंबे समय में सफलता की मजबूत नींव बन सकती हैं।

सम्पादकीय

वायरल सपनों ने बेटियों को दलदल में धकेला

रील, फॉलोअर्स और वायरल होने की दौड़ ने आज एक नया और भयावह बाजार खड़ा कर दिया है। पहले ठग नौकरी, मॉडलिंग या शादी का झांसा देते थे, अब वे कहते हैं–"तुम्हें स्टार बना देंगे, लाखों फॉलोअर्स दिला देंगे।" दुखद यह है कि सोशल मीडिया की चमक ने कई मासूम लड़कियों को ऐसी अंधेरी दुनिया में पहुंचा दिया, जहां उनके सपनों का सौदा कर दिया जाता है।

यह केवल मानव तस्करी की कहानी नहीं, बल्कि डिजिटल युग की नई ठगी का चेहरा है। अपराधियों ने समय के साथ अपना तरीका बदल लिया है। अब वे गांव–गांव नहीं घूमते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन पर पहुंच जाते हैं। इंस्टाग्राम की दोस्ती, यूट्यूब का ऑफर, कास्टिंग का झूठा वादा और वायरल होने का सपना–यही नए जाल हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराधी तकनीक के साथ तेजी से बदल गए, लेकिन समाज और व्यवस्था अभी भी पुराने तरीकों से ही उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। व्यंग्य यही है कि आज "फॉलोअर्स" की संख्या चरित्र से बड़ी और "वायरल" होना मेहनत से ज्यादा आकर्षक बना दिया गया है। कुछ सेकंड की लोकप्रियता पाने की चाह में कई किशोरियां अनजान लोगों पर भरोसा कर लेती हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया मंच अपने एल्गोरिदम की सफलता का जश्न मनाते हैं, लेकिन यह सवाल कम ही पूछा जाता है कि उन्हीं मंचों का इस्तेमाल अपराधी कितनी आसानी से कर रहे हैं।

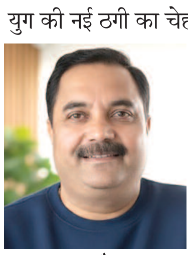

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

इस समस्या का समाधान केवल पुलिस कार्रवाई नहीं है। परिवारों को बच्चों से खुलकर संवाद करना होगा। स्कूलों में डिजिटल सुरक्षा की शिक्षा उतनी ही जरूरी है जितनी सामान्य शिक्षा। हर किशोरी को यह समझना होगा कि कोई भी वास्तविक कंपनी सोशल मीडिया चैट के जरिए करियर नहीं बनाती और न ही बिना सत्यापन के बड़े अवसर देती है।

साथ ही, सोशल मीडिया कंपनियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सरकार को मिलकर ऐसे फर्जी खातों, संदिग्ध नेटवर्क और मानव तस्करी से जुड़े डिजिटल गिरोहों पर सख्त कार्रवाई करनी होगी। डिजिटल दुनिया में सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है जितनी वास्तविक दुनिया में।

लोकप्रियता का सपना देखना गलत नहीं, लेकिन यदि वह सपना विवेक छीन ले तो वही सपना सबसे बड़ा जाल बन जाता है। जरूरत इस बात की है कि बेटियों को केवल उड़ने के सपने ही नहीं, सुरक्षित उड़ान का रास्ता भी सिखाया जाए। तभी "वायरल" होने की चाह किसी की जिंदगी को "बर्बाद" होने की कहानी नहीं बनने देगी।

नजरिया

समंदर से रेगिस्तान तक, क्यों बढ़ता जा रहा भारतीय श्रमिकों पर खतरा

बोध प्रकाश सगुणी

वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव माने जाने वाले भारतीय श्रमिक और नाविक आज ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां रोजी–रोटी की तलाश उन्हें लगातार बढ़ते खतरों के बीच धकेल रही है। समुद्र की ऊंची लहरों से लेकर रेगिस्तान की तपती धरती तक लाखों भारतीय कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। लेकिन बदलते वैश्विक हालात, युद्ध, क्षेत्रीय संघर्ष, औद्योगिक दुर्घटनाएं और श्रमिक सुरक्षा की कमजोर व्यवस्था उनके जीवन को पहले से कहीं अधिक असुरक्षित बना रही है। हाल के दिनों में यूक्रेन–रूस युद्ध क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हुए हमले और खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों की मौत की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में पैदा होने वाला संकट सबसे पहले उन लोगों को प्रभावित करता है, जिनका उससे कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के निकट व्यापारी जहाज पर हुए हमले में भारतीय नाविक की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया। इससे पहले भी कई भारतीय समुद्री कर्मी युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में अपनी जान गंवा चुके हैं। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस गंभीर चुनौती का संकेत है जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के साथ जुड़े हजारों भारतीय रोज जोखिम उठाकर काम कर रहे हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े समुद्री मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाले देशों में शामिल है। लाखों भारतीय नाविक अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर सेवाएं दे रहे हैं और उनके परिवारों की आजीविका इसी रोजगार पर निर्भर है। ऐसे में समुद्री मार्गों की असुरक्षा केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय भी है। ब्लैक सी, लाल सागर, होरमुज जलडमरूमध्य और अरब सागर जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग इस समय भू–राजनीतिक तनाव के केंद्र बने हुए हैं। इन मार्गों से गुजरने वाले जहाज लगातार सुरक्षा जोखिम झेल रहे हैं। युद्ध और सैन्य गतिविधियों के कारण व्यापारी जहाज भी हमलों की चपेट में आ रहे हैं। इसका सीधा असर उन भारतीय नाविकों पर पड़ता है जो अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए जान जोखिम में डालते हैं। कई बार वे ऐसे हालात में फंस जाते हैं जहां न तो सुरक्षित निकासी संभव होती है और न ही समय पर राहत मिल पाती है। केवल समुद्री क्षेत्र ही नहीं, खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय श्रमिक भी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। निर्माण, तेल एवं गैस, रासायनिक उद्योग, परिवहन, वेयरहाउस और अन्य क्षेत्रों में लाखों भारतीय कार्यरत हैं। इनमें से अधिकांश कठिन और जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं। अत्यधिक गर्मी, लंबे कार्य घंटे, सुरक्षा उपकरणों की कमी और श्रम कानूनों के कमजोर

अनुपालन के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में भारतीय श्रमिक दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। कई मामलों में उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध नहीं हो पाती। समस्या केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं है। कई भारतीय प्रवासी मजदूर खराब आवास, अपर्याप्त भोजन, महीनों तक वेतन न मिलने, अनुबंध के उल्लंघन और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से भी जूझते हैं। रोजगार के लिए विदेश जाने वाले अनेक श्रमिकों को वास्तविक परिस्थितियों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। कई भर्ती एजेंसियां आकर्षक वेतन और बेहतर सुविधाओं का वादा करती हैं, लेकिन विदेश पहुंचने पर श्रमिकों को बिल्कुल अलग हालात का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में वे कानूनी सहायता लेने या शिकायत दर्ज कराने से भी डरते हैं क्योंकि उनका वीजा और रोजगार पूरी तरह नियोक्ता पर निर्भर होता है। भारत के लिए यह विषय केवल मानवीय नहीं बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खाड़ी देशों सहित दुनिया के अनेक हिस्सों में रहने वाले भारतीय हर वर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं। इन पैसों से लाखों परिवारों की आजीविका चलती है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और पंजाब जैसे राज्यों के लाखों परिवार प्रवासी आय पर निर्भर हैं। यदि विदेशों में भारतीय श्रमिक असुरक्षित होंगे तो उसका प्रभाव सीधे भारत की सामाजिक और आर्थिक संरचना पर पड़ेगा।

युद्ध और क्षेत्रीय संघर्षों ने श्रमिक सुरक्षा के पारंपरिक ढांचे को भी कमजोर किया है। कई देशों में सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान युद्ध और आंतरिक व्यवस्था पर केंद्रित होने के कारण श्रमिक अधिकारों की निगरानी प्रभावित होती है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अनेक स्थानों पर प्रवासी श्रमिक अपनी समस्याएं खुलकर नहीं रख पाते। भाषा, कानूनी जानकारी की कमी और स्थानीय व्यवस्था का भय उन्हें शोषण सहने के लिए मजबूर कर देता है। यही कारण है कि कई दुर्घटनाएं और श्रम शोषण के मामले सामने ही नहीं आ पाते। भारत सरकार ने समय–समय पर संकटग्रस्त क्षेत्रों से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। यमन, सूडान, यूक्रेन, अफगानिस्तान और अन्य देशों से निकासी अभियान इसकी मिसाल हैं। विदेश मंत्रालय लगातार यात्रा और सुरक्षा संबंधी सलाह भी जारी करता है। दूतावासों की सक्रियता बढ़ाई गई है तथा हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल संकट आने के बाद प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यकता पहले से ऐसी व्यवस्था तैयार करने की है जिससे जोखिम कम किया जा सके।

सबसे महत्वपूर्ण कदम यह होना चाहिए कि विदेश जाने वाले प्रत्येक भारतीय श्रमिक और नाविक को अनिवार्य सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाए। उन्हें स्थानीय कानून, आपातकालीन स्थिति से निपटने के तरीके, श्रमिक अधिकारों और दूतावास से संपर्क की प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए। जोखिम वाले क्षेत्रों में कार्य करने वालों के लिए विशेष बीमा, पर्याप्त मुआवजा और सुरक्षित निकासी की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। भर्ती एजेंसियों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही जरूरी है ताकि कोई भी संस्था गलत जानकारी देकर लोगों को खतरे में न डाल सके। इसके साथ ही भारत को विभिन्न देशों के साथ ऐसे द्विपक्षीय समझौते करने चाहिए जिनमें श्रमिक सुरक्षा, कार्यस्थल मानकों, स्वास्थ्य सुविधाओं और मुआवजा व्यवस्था को कानूनी संरक्षण मिले। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठनों और श्रम संस्थाओं के साथ समन्वय बढ़ाकर भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जा सकता है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से जहाजों और संकटग्रस्त क्षेत्रों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की निगरानी तथा त्वरित सहायता प्रणाली भी विकसित की जानी चाहिए। आज भारतीय श्रमिक और नाविक केवल अपने परिवारों का भविष्य नहीं संवार रहे, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और भारत की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है।

बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां यह संदेश देती हैं कि विदेशों में कार्यरत भारतीयों की सुरक्षा को विदेश नीति, श्रम नीति और आर्थिक नीति के केंद्र में रखना होगा।

संवेदना, कूटनीतिक विरोध और राहत अभियान आवश्यक हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है ऐसी दीर्घकालिक नीति, जो दुनिया के किसी भी कोने में कार्यरत भारतीय को यह विश्वास दिला सके कि उसका जीवन, सम्मान और सुरक्षा भारत की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यही विश्वास भविष्य में भारतीय श्रमिकों और नाविकों की सबसे बड़ी ताकत बनेगा।

विचार विंडो

खामोश मुस्कानों के पीछे छिपा है पुरुषों का अनकहा दर्द

राम किशन शर्मा

पुरुषों को अक्सर समाज में मजबूती, धैर्य और जिम्मेदारी का प्रतीक माना जाता है। बचपन से ही उन्हें यह सिखाया जाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, उन्हें रोना नहीं चाहिए, शिकायत नहीं करनी चाहिए और अपनी भावनाओं को सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। यही सोच धीरे–धीरे उनकी आदत बन जाती है। वे अपनी तकलीफों को भीतर ही भीतर दबाकर जीने लगते हैं। बाहर से मुस्कुराने वाले अनेक पुरुष अंदर ही अंदर मानसिक तनाव, अकेलेपन और असुरक्षा से जूझ रहे होते हैं, लेकिन उनकी इस खामोश पीड़ा को समाज अक्सर देख ही नहीं पाता।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में पुरुषों पर आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। घर का खर्च चलाना, बच्चों की शिक्षा, माता–पिता की देखभाल, भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और कार्यस्थल का दबाव–इन सबका भार एक साथ उनके कंधों पर रहता है। यदि नौकरी है तो उसे खोने का डर, व्यापार है तो घाटे की चिंता और यदि आय सीमित है तो बढ़ती महंगाई की चुनौती उन्हें हर दिन मानसिक दबाव में रखती है। इसके बावजूद उनसे यही अपेक्षा की जाती है कि वे हर समय मजबूत बने रहें। कई पुरुष अपनी इच्छाओं और सपनों को परिवार की जरूरतों के लिए पीछे छोड़ देते हैं। वे अपनी पसंद की वस्तुएं खरीदने से बचते हैं ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अपनी सेहत को नजरअंदाज करते हैं ताकि घर की आर्थिक व्यवस्था बनी रहे। धीरे–धीरे यह त्याग उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है। समस्या तब शुरू होती है जब समाज उनके त्याग को तो देखता है, लेकिन उनके मन की थकान और भावनात्मक संघर्ष को नहीं समझता।

घर लौटने के बाद भी अनेक पुरुषों को वह भावनात्मक सहारा नहीं मिल पाता जिसकी उन्हें आवश्यकता होती है। उनसे यह तो पूछा जाता है कि वेतन कब मिलेगा, बिल कब भरेंगे या अगला खर्च कैसे चलेगा, लेकिन बहुत कम लोग यह जानने की कोशिश करते हैं कि उनका दिन कैसा बीता या वे मानसिक रूप से कैसा महसूस कर रहे हैं। यही भावनात्मक दूरी धीरे–धीरे अकेलेपन का रूप ले लेती है।

पिता की भूमिका निभाने वाला पुरुष अक्सर अपनी चिंताओं को बच्चों से छिपाकर रखता है। वह चाहता है कि उसके बच्चे उसे हमेशा मजबूत और आत्मविश्वासी देखें। इसलिए वह अपनी परेशानियों को मुस्कान के पीछे छिपा लेता है। लेकिन जब लगातार तनाव, आर्थिक दबाव और जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ता है तो

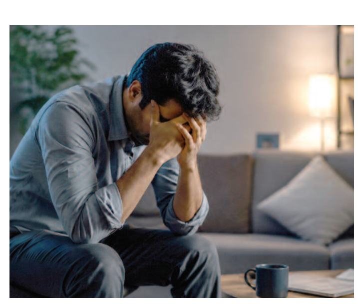

उसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ना स्वाभाविक है। कई बार यही दबाव अनिद्रा, चिंता, अवसाद और चिड़चिड़ेपन का कारण बन जाता है। समाज में आज भी मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अनेक भ्रांतियां मौजूद हैं। यदि कोई पुरुष अपनी परेशानी साझा करता है तो उसे कमजोर, भावुक या असफल मान लिया जाता है। यही कारण है कि अधिकांश पुरुष अपने भीतर चल रहे संघर्ष के बारे में किसी से बात नहीं करते। वे सोचते हैं कि यदि उन्होंने अपनी कमजोरी दिखा दी तो परिवार का भरोसा टूट जाएगा। यह सोच उन्हें धीरे–धीरे मानसिक रूप से और अधिक अकेला बना देती है।

मानसिक स्वास्थ्य केवल महिलाओं, बच्चों या बुजुर्गों का विषय नहीं है। पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि परिवार का सबसे जिम्मेदार सदस्य ही भीतर से टूट जाएगा तो उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ेगा। इसलिए परिवार के प्रत्येक सदस्य को यह समझना होगा कि पुरुष भी भावनाएं रखते हैं। उन्हें भी सम्मान, अपनापन और भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है।

कई बार किसी पुरुष को बड़ी सलाह या समाधान की जरूरत नहीं होती। उसे केवल इतना चाहिए होता है कि कोई उसकी बात बिना टोके और बिना निर्णय सुनाए सुन ले। एक साधारण–सा प्रश्न–"तुम सच में कैसे हो?"–कई बार किसी के भीतर दबे दर्द को बाहर लाने की शुरुआत बन सकता है। खुला संवाद परिवारों को मजबूत बनाता है और मानसिक तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यस्थलों पर भी मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। अत्यधिक काम का दबाव, लक्ष्य पूरा करने की होड़ और असुरक्षित रोजगार की भावना कर्मचारियों के मानसिक संतुलन को प्रभावित करती है। संस्थानों को परामर्श सेवाएं, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और सहयोगी कार्य संस्कृति विकसित करनी चाहिए ताकि कर्मचारी अपनी समस्याएं खुलकर साझा कर सकें।

पुरुषों को भी यह स्वीकार करना होगा कि सहायता लेना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता का संकेत है। यदि लगातार तनाव, घबराहट, अनिद्रा, उदासी या निराशा महसूस हो रही है तो परिवार, मित्रों या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करने में संकोच नहीं करना चाहिए। समय पर की गई बातचीत कई गंभीर मानसिक समस्याओं को बढ़ने से रोक सकती है।

बदलते समय में समाज को अपनी सोच भी बदलनी होगी। जिस प्रकार शारीरिक स्वास्थ्य की देखभाल आवश्यक है, उसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पुरुषों को केवल जिम्मेदारियों का प्रतीक नहीं, बल्कि भावनाओं वाले इंसान के रूप में स्वीकार करना होगा। उन्हें रोने, अपनी चिंता व्यक्त करने और मदद मांगने का अधिकार भी उतना ही है जितना किसी अन्य व्यक्ति को।

एक संवेदनशील समाज वही होगा जहां किसी पुरुष की मुस्कान देखकर यह मान लेने की बजाय उसके मन की स्थिति को समझने का प्रयास किया जाए। परिवारों में संवाद बढ़े, रिश्तों में अपनापन हो और मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर चर्चा हो, तभी पुरुषों का अकेलापन कम होगा। आखिरकार, मजबूत वही नहीं जो कभी टूटे नहीं, बल्कि वह भी मजबूत है जो समय आने पर अपनी तकलीफ स्वीकार कर सहायता लेने का साहस दिखाए। यही सोच स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है।

जिम्बाब्वे दौरे के बाद खत्म हुआ भारतीय टीम का सफर

असिस्टेंट कोच रयान टेन ने छोड़ा पद अब केकेआर की संभालेंगे कमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे से ठीक पहले भारतीय क्रिकेट टीम के सपोर्ट स्टाफ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जिम्बाब्वे दौरे के समापन के साथ ही उनका भारतीय टीम के साथ कार्यकाल समाप्त हो गया। अब खबर है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक बार फिर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनने जा रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रयान टेन डोशेट ने इंग्लैंड दौरे के दौरान ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अपने फैसले की जानकारी दे दी थी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि जिम्बाब्वे सीरीज के बाद वह टीम इंडिया के साथ आगे काम नहीं करेंगे। अब माना जा रहा है कि अगले आईपीएल सीजन में वह केकेआर के साथ नई जिम्मेदारी निभाते नजर आएंगे।

नीदरलैंड्स के पूर्व कप्तान रहे रयान टेन डोशेट वर्ष 2024 में भारतीय टीम के सपोर्ट स्टाफ से जुड़े थे। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के बाद जब टीम इंडिया में नया कोचिंग सेटअप बना, तब उन्हें असिस्टेंट कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई। बल्लेबाजी और फील्डिंग में सुधार लाने में उनकी भूमिका अहम मानी गई और कई युवा खिलाड़ियों ने उनके मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन भी किया। रयान का केकेआर से रिश्ता नया नहीं है। वह पहले खिलाड़ी के रूप में फ्रेंचाइजी का हिस्सा रह चुके हैं और 2012 तथा 2014 में टीम की खिताबी जीत के गवाह बने थे। इसके

टीम इंडिया को बड़ा झटका

बाद 2022 से 2024 तक उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के फील्डिंग कोच के रूप में भी काम किया। ऐसे में उनकी वापसी को फ्रेंचाइजी के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है।

भारतीय टीम के साथ उनके कार्यकाल में भारत ने एशिया कप 2025 और आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में निराशा का सामना करना पड़ा। अब श्रीलंका दौरे से पहले टीम इंडिया को नए असिस्टेंट कोच की तलाश करनी होगी, जबकि रयान टेन डोशेट आईपीएल में एक नई पारी शुरू करने के लिए तैयार हैं।

पापा-बेटी की मस्ती ने जीता फैंस का दिल

एयरपोर्ट पर छाई अक्षय-नितारा की क्यूट केमिस्ट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना और बेटी नितारा के साथ लंदन में पारिवारिक छुट्टियां बिताने के बाद मुंबई लौट आए। मुंबई एयरपोर्ट पर जैसे ही यह स्टार परिवार नजर आया, पैपराजी के कैमरे उनकी ओर मुड़ गए। हालांकि इस दौरान सबसे ज्यादा सुर्खियां अक्षय कुमार और उनकी बेटी नितारा की प्यारी बॉन्डिंग ने बटोरी। दोनों की हंसी-मजाक और मस्ती से भरे पल कैमरे में कैद हो गए, जिनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस भी पापा-बेटी के इस खास रिश्ते पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

एयरपोर्ट पर अक्षय कुमार हमेशा की तरह बेहद सिंपल लेकिन स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। उन्होंने नीले रंग का ट्रैकसूट और कैप पहन रखा था, जबकि ट्विंकल खन्ना हरे रंग के को-ऑर्ड सेट और ब्लैक टी-शर्ट में दिखाई दीं। परिवार के साथ बाहर निकलते समय अक्षय ने पैपराजी का मुस्कुराकर अभिवादन किया, वहीं ट्विंकल ने भी हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान नितारा अपने माता-पिता के साथ बेहद सहज और खुश नजर आईं।

वायरल वीडियो में अक्षय अपनी बेटी के साथ हंसी-मजाक करते और उसे प्यार से संभालते दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर फैंस ने इस वीडियो पर जमकर प्रतिक्रियाएं दीं। किसी ने लिखा कि नितारा अपने पिता की हूबहू झलक लगती हैं, तो कई लोगों ने अक्षय को एक जिम्मेदार और प्यार करने वाला पिता बताया। फैंस का कहना है कि स्टारडम से दूर परिवार के साथ बिताए गए ऐसे पल अक्षय के व्यक्तित्व का सबसे खूबसूरत पक्ष दिखाते हैं।

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादी को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं और दोनों बॉलीवुड के सबसे मजबूत कपल्स में गिने जाते हैं। दोनों अक्सर अपने पारिवारिक पलों को निजी रखना पसंद करते हैं, लेकिन जब भी परिवार की कोई झलक सामने आती है, वह सोशल मीडिया पर छा जाती है। वहीं वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे, जिसमें लंबे समय बाद उनकी जोड़ी सैफ अली खान के साथ देखने को मिलेगी। फिल्म 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का 'सिक्सर'

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का पांचवां दिन भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहा। भारतीय दल ने एक गोल्ड, तीन सिल्वर और दो ब्रॉन्ज समेत कुल छह पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इन उपलब्धियों के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। भारतीय खिलाड़ी अब पदक तालिका में लगातार मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं और कई स्पर्धाओं में नए इतिहास भी रच रहे हैं।

दिन की सबसे बड़ी सफलता हरियाणा की पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने दिलाई। उन्होंने महिलाओं की पैरा शॉट पुट 57 स्पर्धा में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पैरा एथलेटिक्स में भारत के लिए गोल्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। इतना ही नहीं, इस स्पर्धा में भारत का 20 वर्षों का पदक इंतजार भी खत्म हो गया।

इसी प्रतियोगिता में भारत की शिल्पा के शायला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। नाइजीरिया की खिलाड़ी का प्रयास अमान्य घोषित होने के बाद शिल्पा तीसरे स्थान पर पहुंचीं और भारत की झोली में एक और पदक डाल दिया।

वेटलिफ्टिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। ज्ञानेश्वरी यादव ने महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि वल्लूरी अजय बाबू पुरुषों के 79 किलोग्राम वर्ग में महज एक किलोग्राम से स्वर्ण चूककर सिल्वर मेडल हासिल करने में सफल रहे। वहीं बिंद्यारानी देवी ने महिलाओं के 58 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक संख्या में

पैरा एथलेटिक्स में भारत का 20 साल का इंतजार खत्म

इजाफा किया।

एथलेटिक्स में सर्वेश अनिल कुशारे ने पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में हाई जंप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

पांचवें दिन के शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के खाते में अब 2 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 10 पदक हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया 18 स्वर्ण सहित 42 पदकों के साथ शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, जबकि भारतीय दल आने वाले मुकाबलों में पदक तालिका में और ऊंची छलांग लगाने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगा।

'लीड एक्टर ने फिल्म से निकलवाया', राघव जुयाल का छलका दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेता, डांसर और होस्ट राघव जुयाल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के जरिए वह पहली बार बड़े पर्दे पर सोलो लीड के रूप में नजर आएंगे। रिलीज से पहले राघव ने अपने करियर के संघर्ष का एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने खुलासा किया कि एक बड़े अभिनेता की वजह से उन्हें शूटिंग शुरू होने से ठीक पहले फिल्म से बाहर कर दिया गया था।

एक इंटरव्यू में राघव ने बताया कि एक बड़े बैनर की फिल्म के लिए उनका चयन हो चुका था और शूटिंग की तैयारियां भी पूरी थीं। लेकिन अचानक मेकर्स की ओर से फोन आना बंद हो गया। जब उन्होंने कारण जानना चाहा तो पहले कहा गया कि फिल्म के लिए बड़ा चेहरा चाहिए। बाद में पता चला कि फिल्म के मुख्य अभिनेता ने ही उन्हें हटाने की सिफारिश की थी। यह सुनकर उन्हें गहरा धक्का लगा।

राघव ने कहा कि शुरुआत में उन्होंने इस पूरे मामले को मजाक में लिया, लेकिन सच्चाई सामने आने के बाद काफी निराशा हुई। हालांकि उन्होंने इसे अपनी किस्मत का हिस्सा मानते हुए आगे बढ़ने का फैसला किया। दिलचस्प बात यह रही कि जिस फिल्म से उन्हें बाहर किया गया था, वह आखिरकार कभी बन ही नहीं सकी।

इसके बाद राघव को निखिल नागेश भट्ट की फिल्म 'किल' में अहम भूमिका मिली। वर्ष 2024 में रिलीज हुई इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा, जिससे उन्हें अभिनेता के रूप में नई पहचान मिली।

अब राघव अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ दर्शकों के बीच आने के लिए तैयार हैं। विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में संजय कपूर, निहारिका एनएम और निकी वालिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। राघव को उम्मीद है कि यह फिल्म उनके करियर का नया अध्याय साबित होगी।

'मेरे नाम पर झूठ न फैलाएं' आरक्षण विवाद पर शिल्पा शेट्टी का सख्त जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर जातिगत आरक्षण को लेकर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के नाम से वायरल हो रहे एक कथित बयान पर उन्होंने आखिरकार चुप्पी तोड़ दी है। अभिनेत्री ने साफ शब्दों में कहा कि उनके नाम से फैलाया जा रहा पोस्ट पूरी तरह फर्जी, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बिना सत्यता जांचे किसी भी वायरल पोस्ट पर भरोसा न करें। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही थी, जिसमें दावा किया गया था कि शिल्पा शेट्टी ने जाति आधारित आरक्षण खत्म करने का समर्थन किया है। इस पोस्ट में उनके नाम से कई विवादित बातें लिखी गई थीं। मामला बढ़ने पर शिल्पा ने सोशल मीडिया के जरिए अपना आधिकारिक बयान जारी किया। अभिनेत्री ने लिखा कि उनके नाम से झूठे बयान जोड़कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से फर्जी और दुर्भावनापूर्ण प्रयास है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और सोशल मीडिया यूजर्स से अपील की कि इस तरह की अफवाहों और भ्रामक पोस्ट से सावधान रहें तथा किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें। वायरल पोस्ट में दावा किया गया था कि सामान्य वर्ग के डॉक्टर केवल सामान्य वर्ग के मरीजों का इलाज करें और अन्य वर्गों के डॉक्टर अपने-अपने समुदाय के लोगों का उपचार करें। इसी आधार पर आरक्षण व्यवस्था पर सवाल उठाने

फर्जी पोस्ट को बताया मनगढ़ंत

वाली बातें भी लिखी गई थीं। शिल्पा ने स्पष्ट किया कि यह कथित बयान उनका नहीं है और इसका उनकी सोच या राय से कोई संबंध नहीं है। अभिनेत्री के इस स्पष्टीकरण के बाद सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों ने उनका समर्थन किया और फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। यह मामला एक बार फिर इस बात की याद दिलाता है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली हर जानकारी सही नहीं होती और किसी भी संवेदनशील विषय पर तथ्य जांचना बेहद जरूरी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो शिल्पा शेट्टी हाल ही में कन्नड़ फिल्म 'केडी: द डेविल' में नजर आई थीं। इसके अलावा वह टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी लगातार सक्रिय हैं और अपने फिटनेस वीडियो व अन्य अपडेट्स के जरिए प्रशंसकों से जुड़ी रहती हैं।

झमाझम बारिश से आगरा में उमस से मिली राहत

अगले छत्तीस घंटों तक तेज बारिश की संभावना

सामान्य से कम वर्षा उमस ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

यूनिक समय, आगरा। आगरा में मंगलवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली और तेज गर्जना के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार वर्षा के बाद रुक–रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहा। इससे कई दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली और मौसम सुहावना हो गया। सुबह से ही शहर में बादल छाए हुए थे, लेकिन बारिश शुरू होने से पहले तक उमस लोगों को बेहाल कर रही थी।

मौसम विभाग ने अगले 36 घंटों के दौरान आगरा और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग का अनुमान है कि 2 अगस्त तक रुक–रुक कर वर्षा और बूंदाबांदी का दौर जारी रह सकता है। विशेषज्ञों ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

हालांकि मंगलवार की बारिश ने राहत जरूर पहुंचाई, लेकिन पूरे जुलाई माह में आगरा में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 1 से 27 जुलाई के बीच जिले में लगभग 216.5 मिमी वर्षा होनी चाहिए थी, जबकि वास्तविक वर्षा 209.5 मिमी ही रिकॉर्ड की गई। इस प्रकार जिले में सामान्य से करीब तीन प्रतिशत कम बारिश हुई है।

बीते कुछ दिनों में बारिश का क्रम भी अनियमित रहा। जुलाई के पहले सप्ताह में अच्छी वर्षा हुई, लेकिन उसके बाद कई दिनों तक बारिश थम गई।

बीच–बीच में हल्की बारिश और बूंदाबांदी होती रही, जबकि कई दिन तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान किया। सोमवार को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक रहा।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में सक्रिय कम दबाव का क्षेत्र और मानसूनी रेखा की अनुकूल स्थिति के कारण आगामी दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। यदि पूर्वानुमान सही रहा तो जिले में वर्षा की कमी काफी हद तक पूरी हो सकती है। लगातार बारिश की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने जलभराव वाले क्षेत्रों पर निगरानी बढ़ाने और संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

यूपी में पंद्रह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले

तरुण गाबा बने लखनऊ के नए पुलिस आयुक्त

पुलिस महकमे में कई वरिष्ठ अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इस प्रशासनिक बदलाव में तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। वहीं, अशोक मुथा को अग्निशमन एवं आपात सेवाओं का महानिदेशक बनाया गया है। सरकार का कहना है कि नई तैनातियों का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाना है।

तबादला सूची के अनुसार, अमरेंद्र कुमार सेंगर को लखनऊ पुलिस आयुक्त पद से हटाकर पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना मुख्यालय भेजा गया है। राम कुमार को लखनऊ रेंज से गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। नवीन अरोरा को वाराणसी जोन और पीयूष मोर्डिया को प्रयागराज पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा संजय गुप्ता को एडीजी कानून–व्यवस्था तथा धर्मेंद्र सिंह को प्रयागराज रेंज का पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। मोहित गुप्ता, विनीत कुमार सिंह, राजेंद्र कुमार, आनंद प्रकाश तिवारी, अरुण कुमार सिंह और आनंद कुमार सहित कई अन्य अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। शासन ने सभी अधिकारियों को शीघ्र कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश जारी किए हैं।

बंद कमरे में मिला महिला का शव, संदिग्ध पति फरार

दूसरी शादी के दो महीने बाद मिली लाश

सिर पर चोट के निशान पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, आगरा। आगरा के ताजगंज क्षेत्र स्थित नगला पेमा में मंगलवार सुबह बंद कमरे से एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घर के मुख्य गेट पर ताला लगा था और सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फील्ड यूनिट की मौजूदगी में ताला खोलकर शव बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच में महिला के सिर पर चोट के निशान मिले हैं।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान झांसी निवासी उसमा के रूप में हुई है, जिसने करीब दो महीने पहले फरहान से दूसरी शादी की थी। घटना के बाद से फरहान लापता है, जिसके चलते पुलिस को उस पर हत्या का संदेह है। बताया गया कि फरहान की पहली पत्नी अलग रह रही थी, जबकि उसमा के दो बच्चों को वह कुछ दिन पहले झांसी छोड़कर आया था।

पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फरार पति की तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं।

विधायक निवास की सातवीं मंजिल से गिरकर प्रदेश महामंत्री की मौत

नानकदीन भुर्जी की मौत, जांच में जुटी पुलिस टीम

सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों से खुलेंगे घटना के राज

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊस्थित नए विधायक निवास में मंगलवार दोपहर पूर्व राज्य मंत्री और भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री नानकदीन भुर्जी की सातवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मामला हादसे का है या आत्महत्या का। घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

56 वर्षीय नानकदीन भुर्जी भाजपा के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेश महामंत्री थे और हिंदुस्तान पिछड़ा मोर्चा के संस्थापक भी रहे। घटना पर भाजपा नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि किसी को यह जानकारी नहीं है कि भुर्जी किन परिस्थितियों में सातवीं मंजिल से गिरे। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

सीसीटीवी और पूछताछ से खुला सनसनीखेज हत्याकांड

अपहरण के बाद मासूम की हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

स्कूल से लौटकर खेलने निकला, फिर नहीं लौटा मासूम

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर के खजनी कस्बे में एक ज्वैलरी कारोबारी के 10 वर्षीय पोते की अपहरण के बाद हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। चौथी कक्षा का छात्र वैभव दोपहर स्कूल से लौटने के बाद साइकिल लेकर घर के बाहर खेलने निकला था, लेकिन कुछ देर बाद उसकी साइकिल लावारिस मिली। परिजनों ने खोजबीन शुरू की तो पास के खेत में उसकी चप्पल मिलने पर अपहरण की आशंका जताई और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने डॉग स्क्वायड, फॉरेंसिक टीम और सीसीटीवी फुटेज की मदद से जांच शुरू की। फुटेज में वैभव पड़ोस में रहने वाले कंप्यूटर शिक्षक के साथ जाता दिखाई दिया। पुलिस ने संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर घर के बेसमेंट से बोरे में बंद मासूम का शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी बच्चे को बहला–फुसलाकर अपने घर ले गया और वहां उसकी हत्या कर शव छिपा दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और फांसी की सजा की मांग की।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान टीला हत्याकांड सहित तीन मामलों का हुआ खुलासा

एक ही गिरोह ने अंजाम दी थीं तीनों वारदातें

फुटमार्क और सीसीटीवी बने पुलिस जांच के अहम आधार

यूनिक समय, हाथरस। हाथरस पुलिस ने सहपऊ क्षेत्र में हुए हनुमान टीला बाबा हत्याकांड, डाकघर चोरी और कैनरा बैंक सेंधमारी की गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार तीनों वारदातों को एक ही गिरोह ने अंजाम दिया था। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त सरिया, ईंट और चोरी की गई स्वैप मशीन के पार्ट्स भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में एसओजी, एंटी थेफ्ट, सर्विलांस, तकनीकी विश्लेषण और थाना सहपऊ पुलिस की संयुक्त टीमों ने मामले की जांच की। विवेचना के दौरान करीब 400 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। साथ ही तकनीकी विश्लेषण और यक्ष ऐप की मदद से संदिग्धों की गतिविधियों और संपर्कों का पता लगाया गया। घटनास्थल पर मिले विशेष फुटमार्क भी जांच में अहम सुराग साबित हुए। पुलिस इन्हीं निशानों के आधार पर आरोपियों तक पहुंची।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें मंदिर में धार्मिक आयोजन के दौरान धनराशि होने की जानकारी मिली थी। चोरी के प्रयास में बाबा ने उन्हें पहचान लिया, जिसके बाद उन्होंने हत्या कर दी। बाद में आर्थिक लाभ नहीं मिलने पर डाकघर से स्वैप मशीन चोरी की और फिर कैनरा बैंक में सेंधमारी की, लेकिन वहां भी कोई नकदी हाथ नहीं लगी।

पुलिस का कहना है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी जांच और आरोपियों के बयान के आधार पर तीनों मामलों का सफल खुलासा किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

बैक पेपर छात्रों का विश्वविद्यालय परिसर में लगातार धरना जारी

सशर्त प्रवेश देकर विद्यार्थियों का भविष्य बचाने की मांग

मांगें नहीं मानीं तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी

यूनिक समय, अलीगढ़। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में बीए एलएलबी और एलएलबी के छात्रों का धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। छात्र बैक परीक्षा में अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को अगले सेमेस्टर में सशर्त प्रवेश देने की मांग को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि बैक पेपर के कारण बड़ी संख्या में छात्रों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है और उनका भविष्य अधर में लटक गया है।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रहा है। उनका कहना है कि यदि फेल छात्रों को अगले सेमेस्टर में सशर्त प्रवेश नहीं दिया गया तो अनेक विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो जाएगी और उन्हें एक वर्ष का नुकसान उठाना पड़ सकता है।

धरना स्थल पर छात्रों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने प्रशासन से शीघ्र समाधान निकालने की अपील करते हुए कहा कि यह केवल कुछ छात्रों का नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के भविष्य का सवाल है। फिलहाल विश्वविद्यालय परिसर में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है, लेकिन छात्रों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कोर्ट के आदेश से छात्रों को मिली राहत

नाबालिग प्रदर्शनकारियों को तुरंत रिहा करें : सुप्रीम कोर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। परीक्षा पेपर लीक के विरोध में देशभर में हुए छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत प्रदान की है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया है कि जिन छात्रों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उनके खिलाफ दर्ज मामलों में फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए। साथ ही 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे छात्रों को, जिन्हें प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था, रिहा करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि यह राहत केवल उन्हीं छात्रों को मिलेगी, जिनका पहले से कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। अदालत ने कहा कि मामले की अंतिम सुनवाई तक संबंधित छात्रों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई से बचा जाए। इस आदेश को छात्र हितों और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार के साथ दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, असम, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर निर्धारित समय के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि सभी पक्षों का पक्ष सुनने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जाएगी। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों तथा 20 जुलाई को संसद मार्च के घटना क्रम की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने पर विचार किया जा सकता है। समिति पुलिस पर हमले और प्रदर्शन के दौरान हुई अन्य घटनाओं की भी जांच करेगी।

फिलहाल अंतरिम आदेश से बड़ी संख्या में छात्रों को राहत मिली है। अब सभी की निगाहें अगली सुनवाई पर टिकी हैं, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों के जवाब के आधार पर अदालत आगे का निर्णय करेगी। छात्रों और अभिभावकों को उम्मीद है कि मामले में निष्पक्ष सुनवाई के साथ उनके अधिकारों और न्यायिक प्रक्रिया दोनों का संतुलन बनाए रखा जाएगा।

छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था, जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग करने वालों पर कार्रवाई हो

प्रदर्शनकारियों पर फिलहाल नहीं होगी कोई कार्रवाई

केंद्र समेत राज्यों से मांगा विस्तृत जवाब

नीट परिणाम में अंक गायब छात्रा ने उठाए गंभीर सवाल

छात्रा ने ओएमआर मूल्यांकन में गड़बड़ी का लगाया आरोप

अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष जांच और पुनर्मूल्यांकन की उठाई मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट स्नातक पुनर्परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद एक बार फिर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की मूल्यांकन प्रक्रिया सवालों के घेरे में आ गई है। कर्नाटक की एक छात्रा ने अपनी ओएमआर उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। छात्रा का दावा है कि उत्तर कुंजी के अनुसार उसे लगभग 668 अंक मिलने चाहिए थे, लेकिन परिणाम में उसके अंक माइनस 11 दर्शाए गए, जिससे उसके मेडिकल प्रवेश की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

कर्नाटक के हावेरी जिले की छात्रा बिंदुश्री जगदीश पवार का आरोप है कि एनटीए की वेबसाइट पर अपलोड की गई ओएमआर शीट उसकी वास्तविक उत्तर पुस्तिका से मेल नहीं खाती। छात्रा के अनुसार उसने 180 में से 165 प्रश्न हल किए थे, जबकि रिकॉर्ड में केवल 41 उत्तर दर्ज दिखाए गए हैं। उसका यह भी कहना है कि इतनी कम अवधि में 41 उत्तर दर्ज होना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है। इसके अलावा ओएमआर शीट पर उंगलियों के निशान और उत्तर भरने के तरीके में भी अंतर होने का दावा किया गया है।

परिणाम आने के बाद छात्रा और उसके परिजनों ने एनटीए से कई बार संपर्क कर उत्तर पुस्तिका की दोबारा जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अब तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। वहीं, विभिन्न राज्यों के कई अन्य अभ्यर्थियों ने भी अंतिम उत्तर कुंजी की तुलना में कम अंक मिलने की शिकायत की है। उनका आरोप है कि इससे उनकी अखिल भारतीय रैंक प्रभावित हुई है और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की संभावनाएं कम हुई हैं।

हालांकि, एनटीए ने पहले भी स्पष्ट किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और सोशल मीडिया पर प्रसारित कई दस्तावेज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार फर्जी सामग्री भी हो सकते हैं। फिलहाल अभ्यर्थी निष्पक्ष जांच और शिकायतों के त्वरित समाधान की मांग कर रहे हैं, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पर छात्रों का विश्वास कायम रह सके।

जापान में 7 .1 तीव्रता का आया शक्तिशाली भूकंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। जापान के दक्षिणी द्वीप क्यूशू के कुमामोटो क्षेत्र में मंगलवार को 7.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार भूकंप का केंद्र कुमामोटो तट के निकट समुद्र में लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। तेज झटकों के बाद एजेंसी ने तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

भूकंप के बाद विशेषज्ञों ने करीब एक मीटर ऊंची सुनामी लहरें उठने की संभावना व्यक्त की है। प्रशासन ने कुमामोटो के अलावा नागासाकी, कागोशिमा, फुकुओका, सागा, ओइता और मियाजाकी प्रांतों में भी आपातकालीन चेतावनी जारी कर दी है। तटीय इलाकों के लोगों को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने और केवल सरकारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। फिलहाल किसी बड़े जान–माल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। राहत एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सुनामी चेतावनी से बढ़ी चिंता, एक मीटर ऊंची लहरों की आशंका जताई

इस्तीफे के बाद ओडिशा पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान, हुआ भव्य स्वागत

भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर उमड़ी समर्थकों की भारी भीड़

भाजपा नेताओं ने बताया सिद्धांतों और सेवा का प्रतीक

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार को पहली बार अपने गृह राज्य ओडिशा पहुंचे। भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में समर्थकों ने उनका फूल–मालाओं और नारों के साथ स्वागत किया। इस दौरान स्वागत के कई वीडियो भी सामने आए, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने रहे।

धर्मेंद्र प्रधान ने 25 जुलाई को केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद गृह राज्य पहुंचने पर समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इससे पहले संसद परिसर में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों ने उनका स्वागत करते हुए समर्थन जताया था।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति सहित कई महत्वपूर्ण शिक्षा सुधारों को लागू करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों को सर्वोपरि रखते हुए दिया गया उनका इस्तीफा सार्वजनिक जीवन में उनकी प्रतिबद्धता और सिद्धांतों का परिचायक है। वहीं, राज्य सरकार के मंत्री विभूति जेना ने भी शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्य लंबे समय तक याद किए जाएंगे।

पेपर लीक संशोधन विधेयक पर होगी आठ घंटे चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक–2026 पर चर्चा शुरू हुई। प्रारंभिक छह घंटे के बजाय सभी दलों की सहमति से चर्चा का समय बढ़ाकर आठ घंटे कर दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो सरकार 10 घंटे तक भी बहस कराने को तैयार है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि संशोधन का उद्देश्य वर्ष 2024 के कानून को और प्रभावी बनाना है, ताकि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाई जा सके। उन्होंने दावा किया कि सरकार छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और विशेषज्ञ समिति की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं।

सरकार ने विधेयक को बताया छात्रों के लिए हितकारी कदम

विपक्ष ने शिक्षा नीति पर सरकार को घेरा

उधर, कांग्रेस ने सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि पूर्व में बनाए गए कानून के बावजूद पेपर लीक की घटनाएं नहीं रुकीं और कई आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। उन्होंने सरकार से जांच और कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। सदन में इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस जारी रही।

हिमाचल, उत्तराखंड सहित कई राज्यों में बारिश से तबाही

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में अचानक आई बाढ़ के बाद पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों और दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया, जबकि अनेक वाहन भी इसकी चपेट में आ गए। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

उत्तराखंड में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण केदारनाथ, बदरीनाथ तथा यमुनोत्री मार्ग कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गए हैं। रुद्रप्रयाग के कुंड–काकड़ा क्षेत्र में मलबा आने से केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया, जबकि सोनप्रयाग–गौरीकुंड मार्ग भी बाधित है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए चारधाम यात्रा दो दिन के लिए स्थगित कर दी गई है।

दिल्ली में मंगलवार सुबह हुई तेज बारिश से कई सड़कों पर जलभराव और यातायात जाम की स्थिति बन गई। वहीं चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में करंट लगने से एक पीएचडी शोधार्थी युवती की मौत हो गई, जिसकी जांच जारी है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के कारण उत्तर भारत, मध्य भारत और पूर्वी राज्यों में अगले एक सप्ताह तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने लोगों से नदी–नालों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने तथा केवल आधिकारिक मौसम संबंधी सलाह का पालन करने की अपील की है।

चारधाम यात्रा रुकी, कई मार्ग हुए पूरी तरह बंद

मूसलाधार बारिश से जनजीवन हुआ बेहाल

चंबा में गहरी खाई में गिरी कार, पांचों यात्रियों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भरमौर–पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। लाहड़ के समीप एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत–बचाव दल मौके पर पहुंच गए तथा स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान चलाया गया।

पुलिस के अनुसार हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रारंभिक आशंका है कि चालक का वाहन से नियंत्रण हटने के कारण दुर्घटना हुई। चंबा के पुलिस अधीक्षक ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की पहचान और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस ने पहाड़ी मार्गों पर विशेषकर रात और खराब मौसम में सावधानी से वाहन चलाने की अपील की है।

भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ दर्दनाक हादसा,दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू

आश्रमों में कल बरसेगा गुरु कृपा का अमृत

मंगलवार को प्रेम मंदिर के अंदर और बाहर लगा श्रद्धालुओं का जमघट।

शिष्यों के स्वागत को सजा संत प्रेमानंद का नया आश्रम।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज मंडल में बुधवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, राधाकुंड, गोकुल और आसपास के प्रमुख आश्रमों और मठों में दिनभर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। गुरु पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालु अपने गुरु के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मंगलवार को सुबह से देर शाम तक आश्रमों में तैयारियों का दौर चलता रहा। कहीं पूजा स्थलों को सजाया गया तो कहीं सत्संग, भजन–कीर्तन और भंडारों की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।

गुरु पूर्णिमा पर्व के लिए वृंदावन में सजा आश्रम।

गुरु पूर्णिमा को भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा और समर्पण का सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इस दिन शिष्य अपने गुरु का पूजन कर उनके चरणों में पुष्प, फल, वस्त्र और दक्षिणा अर्पित करते हैं और जीवन में उनके मार्गदर्शन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। आश्रमों में विशेष पूजन, गुरु वंदना, प्रवचन, यज्ञ और प्रसाद वितरण के कार्यक्रम होंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

गुरु पूर्णिमा को लेकर प्रमुख आश्रमों में साफ–सफाई, सजावट, पेयजल, प्रसाद वितरण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। कई स्थानों पर अखंड भजन–कीर्तन, सत्संग और विशाल भंडारों का आयोजन भी होगा। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया है। बुधवार को ब्रज के आश्रमों में श्रद्धा, भक्ति और गुरु कृपा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

गुरु के प्रति आभार प्रदर्शित करने का पर्व है गुरु पूर्णिमा: देवकीनंदन

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने का अवसर देता है। गुरु हमारी आध्यात्मिक चेतना को जागृत कर ईश्वर से जोड़ने का कार्य करते हैं। अध्यात्म इस लोक से परलोक तक की यात्रा का माध्यम है ।

यह उदगार धर्माचार्य देवकीनंदन ठाकुरजी ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव में व्यक्त किए।

छटीकरा मार्ग स्थित प्रियाकांत जू मंदिर पर गुरुपूर्णिमा महोत्सव का प्रारंभ हो गया। प्रथम दिवस पर देवकीनंदन ने शिष्यों को आशीर्वचन देते हुए गुरु दीक्षा और गुरुपूर्णिमा पर्व का महत्व बताया। कहा कि गुरु के वचनों में बंधकर शिष्य अपने सांसारिक जीवन के संशयों से मुक्त हो जाता है। इससे पहले शांति सेवा सभागृह में प्रातः बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने देवकीनंदन से दीक्षा प्राप्त कर, नशा और सभी व्यसन छोड़कर सात्विक जीवन जीने का संकल्प लिया।

विश्व शांति सेवा चेरिटेबल सचिव विजय शर्मा ने बताया कि बुधवार को शिष्य गुरु चरण पूजन कर गुरु पूर्णिमा पर्व मनाएंगे।

हेपेटाइटिस से बचाव को किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर मंगलवार को जिला चिकित्सालय में वायरल हेपेटाइटिस के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी की समय पर पहचान, बचाव और उपचार के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अतिथि मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीरज अग्रवाल वायरल हेपेटाइटिस के विभिन्न प्रकार, संक्रमण फैलने के कारण, इससे बचाव के बारे में लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि समय पर जांच करानी चाहिए। इस दौरान नोडल अधिकारी-प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एआरटीसी डॉ. सिद्धार्थ धनगर, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसपी शर्मा सहित जिला चिकित्सालय के चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

कार्रवाई के बाद समाप्त हुई भूख हड़ताल

यूनिक समय, मथुरा। 100 फुटा रोड स्थित बजरंग धर्म कांटा हाईवे से पुष्पांजलि उपवन गेट तक जल निकासी व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर 24 जुलाई से चल रही डॉ. सचिन की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल मंगलवार को समाप्त हो गई। नगर निगम मथुरा–वृंदावन द्वारा क्षेत्र में कार्य शुरू किए जाने और आवश्यक आश्वासन दिए जाने के बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज के निर्देश पर सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा के नेतृत्व में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, अभियंता (जलकर) गंगासागर और नगर निगम की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण कर जल निकासी और सफाई कार्य प्रारंभ कराया। सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा ने बताया कि सड़क किनारे और नालों पर जहां भी अतिक्रमण है, उसे नियमानुसार हटाकर नालों और नालियों की सफाई कराई जाएगी।

सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की इन्वेस्टिचर सेरेमनी मनाई गई

यूनिक समय, मथुरा। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में मंगलवार को शैक्षणिक सत्र 2026–27 की इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया। समारोह में नव–निर्वाचित छात्र परिषद की गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शुभारंभ शेफाली ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ दूसरों का मार्गदर्शन करना है। विद्यालय के सीनियर विंग के हेड बॉय सार्थक मलिक और हेड गर्ल सान्वी शर्मा, फाउंडेशन विंग के हेड बॉय सत्यम चौधरी, हेड गर्ल नित्या सिंह सहित छात्र परिषद के सभी पदाधिकारियों, हाउस कैप्टनों और वाइस कैप्टनों को बैज और सैश पहनाकर उनके दायित्वों का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। गौतम राजवंशी ने सभी पदाधिकारियों को नेतृत्व एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। समारोह में भगवान दास स्मृति ट्रस्ट के पदाधिकारी, विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी और अभिभावक भी उपस्थित रहे।

वृंदावन में गुरु पूर्णिमा कल, शिष्यों का पहुंचना हुआ शुरु

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को गुरु का पूजन करने से लिए शिष्यों का पहुंचना शुरु हो गया है। गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने के बाद शिष्यों ने वृंदावन आना प्रारंभ कर दिया। अधिकांश शिष्य रात तक यहां पहुंच जाएंगे। संत प्रेमानंद महाराज का आश्रम इस बार प्रमुख केंद्र होगा। यहां पर बड़ी संख्या में शिष्यों का पहुंचना शुरु हो गया है। नीब करौरी बाबा आश्रम, वात्सल्य ग्राम समेत अन्य छोटे बड़े आश्रमों पर गुरु पूर्णिमा की तैयारी शुरु हो गई हैं।

रमणरेती में गुरु पूजन महोत्सव का हुआ शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल–महावन रोड स्थित उदासीन कार्ष्णि रमणरेती आश्रम में मंगलवार से चार दिवसीय गुरु पूजन महोत्सव का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। महोत्सव के पहले दिन बड़ी संख्या में देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं और शिष्यों ने कार्ष्णि गुरुशरणानंद का विधिवत पूजन–अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह से ही आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरे परिसर में भक्ति-आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

आश्रम में नवागत शिष्यों को दीक्षा देने के लिए विशेष व्यवस्था की गई। आचार्य अशोक जोशी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीक्षा-गुरु पूजन की विधि संपन्न कराई। आश्रम के मीडिया प्रभारी कार्ष्णि हरदेवानंद ने बताया कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली–एनसीआर सहित विभिन्न राज्यों के आश्रमों और केंद्रों पर भी गुरु पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

उन्होंने बताया कि बुधवार को संतों, ऋषिकुमारों और मथुरा जनपद के शिष्य गुरु पूजन करेंगे। गुरुवार को आगरा, हाथरस, अलीगढ़, बरेली, बुलंदशहर, हरियाणा, झारखंड और मध्य प्रदेश से आने वाले श्रद्धालु शामिल होंगे। शुक्रवार को गोवर्धन, राजस्थान, उत्तराखंड और अन्य राज्यों से आने वाले शिष्य गुरुशरण में पहुंचकर पूजन–अर्चन करेंगे।

टप्पेबाजी कर 25 लाख रुपये ले जाने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। टप्पेबाजी कर सिम्स हॉस्पिटल वाले रोड पर कार से पच्चीस लाख रुपये से भरा बैग लेकर भगाने वाले बाइक सवार को पुलिस, सर्विलांस, एसओजी, साइबर और स्वॉट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करके सलेमपुर रोड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके कब्जे से पच्चीस लाख रुपये और घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद हुई है।

गिरफ्तार टप्पेबाज के बारे में जानकारी देते एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह।

एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि 20 जुलाई को प्लाईवुड व्यवसाई के कर्मचारियों से सिम्स हॉस्पिटल वाले रोड पर बाइक सवारों द्वारा कार को ओवर टेक कर के यह बताया कि कार के इंजन से ऑयल टपक रहा है। इस पर कार चालक ने कार को रोक दिया और बोनट खोल कर इंजन को देखने लगे। इसी दौरान कार में रखे पच्चीस लाख रुपये लेकर टप्पेबाजी कर के लेकर चंपत हो गए।

इस मामले में लगी पुलिस टीमों ने घटना करने वाले बदमाशों का पता लगाने के लिए 500 से अधिक टीवी केमरों की फुटेज खंगाली। इसके बाद प्रकाश में आए बदमाशों की तलाश की। काफी तलाश करने के बाद पुलिस को इस बारे में सफलता हाथ लगी। रात को हाईवे पुलिस, सर्विलांस टीम, स्वाट, साइबर और एसओजी टीम घटना के अपराधियों को तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को इस बारे में पता लगा कि सलेमपुर पालीखेड़ा रोड पर टप्पेबाजी की घटना को अंजाम देने वाला अभियुक्त देखा गया है।

बैग की बनावट, पकड़ने की स्टाइल से करते हैं जजमेंट

सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि साउथ दिल्ली के गोविंदपुरी और मदन गिरी में मद्रासी लोगो के 250 घर बने हुए हैं। ये सभी चालीस साल पहले आकर दिल्ली में बस गए थे। गिरोह के शातिर लोग बैग की बनावट और पकड़ने के अंदाज से आईडिया लगा लेते हैं कि उसमे कीमती सामान है। इसके बाद गाड़ी का शीशा तोड़कर अथवा टप्पेबाजी करके बैग आदि को ले जाते हैं। गैंग के सदस्य अपने बच्चों को भी इस तरह की ट्रेनिंग देकर टप्पेबाजी करने के लिए तैयार करते हैं।

पुलिस ने की धनराशि और बाइक बरामद

पुलिस और अन्य टीमों ने तुरंत वहां पहुंचकर अभियुक्त को बाइक से जाते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त अक्षय पुत्र मारमुत्तू निवासी मदनगिरी मकान नंबर 104 सी ब्लाक थाना आंबेडकर नगर साउथ दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके पास से टप्पेबाजी कर चोरी किए गए पच्चीस लाख रुपये और घटना में प्रयुक्त बाइक और एक मोबाइल बरामद किया है।

पुलिस को गिरफ्तार अभियुक्त ने अपने साथियों के नाम भी बताए हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल, प्रभारी साइबर सेल आशीष,प्रभारी सर्विलांस टीम विकास कुमार, प्रभारी स्वाट टीम महावीर सिंह, प्रभारी एसओजी संदीप सिंह के अलावा पुलिस टीम शामिल हैं।

गुरु पूर्णिमा पर जयगुरुदेव आश्रम में तीन दिवसीय सत्संग मेला शुरू

जयगुरूदेव आश्रम में पंकज की पूजा करते हुए भक्तगण

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे स्थित जयगुरुदेव आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर आयोजित तीन दिवसीय सत्संग मेले का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। पहले दिन संस्था के महामंत्री बाबूराम ने सत्संग को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन जीवन की मूल शर्त गुरु, सत्संग, शाकाहार और नशामुक्त जीवन है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भौतिक ज्ञान के लिए गुरु आवश्यक हैं, उसी प्रकार आध्यात्मिक ज्ञान के लिए भी सद्गुरु का मार्गदर्शन

आज होगा पंकज का सत्संग और नामदान

अनिवार्य है। उन्होंने शाकाहार अपनाने और शराब सहित सभी नशों से दूर रहने का आह्वान किया। बुधवार को गुरु पूर्णिमा पर प्रातः 5 बजे संस्था अध्यक्ष पंकज का सत्संग और नामदान कार्यक्रम होगा। आश्रम में दर्जनों जोड़ों का दहेज रहित विवाह भी कराया जाएगा।